03/2013

सप्रू हाउस लेख

लैटिन अमेरिका में क्षेत्रीय एकीकरण तथा कैरेबियाई रुझान एवं चुनौतिया

समीरा यारलांग्दा

विश्व मामलों की भारतीय परिषद्

सप्रू हाउस, बाराखंभा रोड़, नई दिल्ली-110001

लैटिन अमेरिका में क्षेत्रीय एकीकरण तथा कैरेबियाई रुझान एवं चुनौतियां

समीरा यारलांग्दा

लैटिन अमेरिका में क्षेत्रीय एकीकरण तथा कैरेबियाई रुझान एवं चुनौतियां

प्रथम प्रकाशित, 2013

कॉपीराइट ©विश्व मामलों की भारतीय परिषद्

आईएसबीएनः 978-81-926825-5-6

सभी अधिकार संरक्षित हैं। इस प्रकाशन के किसी भी भाग को कॉपीराइट मालिक से अनुमति के बगैर पुनरुत्पादित, पुनःप्राप्ति प्रणाली में भंडारित, अथवा किसी भी प्ररूप में चाहे इलैक्ट्रानिक, मैकेनिकल, फोटोकॉपी से रिकार्डिंग अथवा अन्यथा, रूपांतरित नही किया जा सकता है।

इस प्रकाशन में व्यक्त किये गये तथ्य एवं मतों की जिम्मेदारी पूर्णतया लेखक के पास सुरक्षित है तथा उसका विवेचन आवश्यक रूप से विश्व मामलों की भारतीय परिषद्, नई दिल्ली के विचारों को व्यक्त नहीं करती है।

विश्व मामलों की भारतीय परिषद्

सप्रू हाउस, बाराखंभा रोड़, नई दिल्ली- 110 001, भारत

टेलीफोन : +91-11-23317242, फैक्स : +91-11-23322710

www.icwa.in

विषय-वस्तु

1.	**परिचय**	5
2.	**एलएसी का एक संक्षिप्त राजनीतिक इतिहास**	7
3.	**एकीकरण के विचार का इतिहास**	14
	सिमोन बोलीवार	14
	क्यूबा क्रांति	17
	ओएएस (अमेरिकी राज्यों का संगठन)	18
	अलादी (लैटिन अमेरिकी एकीकरण संघ)	19
4.	**उप-क्षेत्रों में क्षेत्रीय संगठन**	20
	सीएएन (राष्ट्रों का एंडियन समुदाय)	20
	मरकोसुर (दक्षिण का सामूहिक बाजार)	23
	एसआईसीए (केंद्रीय अमेरिकी एकीकरण प्रणाली)	26
	कैरीकॉम (कैरेबियाई समुदाय)	27
	राजनीतिक प्रवृत्तियों के आधार पर	30
	आल्बा (हमारे अमेरिका के लोगो के लिए बोलीवारियाई गठबंधन)	30
	प्रशांत गठबंधन	32
	संपूर्ण अथवा अधिकांश एलएसी को शामिल करना	34
	यूनासुर (दक्षिण अमेरिकी राष्ट्र संघ)	34
	सेलाक (लैटिन अमेरिकी और 7 कैरेबियाई देशों का समुदाय)	37
5.	**निष्कर्ष**	39
6.	**समाप्ति टिप्पणी**	42

लैटिन अमेरिका में क्षेत्रीय एकीकरण

तथा कैरेबियाई रुझान एवं चुनौतियां

परिचय

पश्चिमी गोलार्ध में लैटिन अमेरिका और कैरेबियाई क्षेत्र (एलएसी) मेक्सिको से अर्जेंटीना तक विस्तरित है। इसमें मुख्यतः तीन क्षेत्र है : दक्षिणी अमेरिका, केंद्रीय अथवा मेसोअमेरिका तथा कैरेबियाई क्षेत्र। यहाँ दक्षिण अमेरिका में बारह स्वतंत्र तथा संप्रभु राज्य मौजूद हैं ; आठ केंद्रीय अथवा मेसो अमेरिका में; तथा तेरह कैरेबिया में। यह क्षेत्र बहुत सी संभावी परिसंपत्तियां और अन्य राज्यों, जो एलएसी का हिस्सा नहीं हैं उनके विदेशी क्षेत्रों का भी घर है। ब्रिटेन में इस प्रकार की सात संभावी परिसंपत्तियां अथवा विदेशी प्रदेश है ; नीदरलैंड के पास छह ; फ्रांस के पास पाँच ; तथा अमेरिका के पास तीन हैं। भौगोलिक दृष्टि से एलएसी एक विविधता है। दुनिया के सबसे बड़े देशों में से कुछ,अर्थात् ब्राजील,और अर्जेंटीना,दुनिया के इस हिस्से को कुछ सबसे छोटे द्वीपीय राष्ट्रोंजैसे सेंट किट्स और नेविसऔर ग्रेनेडा के साथ साझा करते हैं।

तैतीस स्वतंत्र और संप्रभु देशों में से अठारह में स्पेनी और बारह में अंग्रेजी भाषा बोली जाती है। ब्राजील में पुर्तगाली ; सूरीनाम, डच; तथा हैती, फ्रांस और हैती क्रिओल बोली जाती है। भले ही उनके पूर्ववर्ती उपनिवेशवासी राजभाषा का कद रखते हों , लेकिन स्वदेशी भाषा भी इस क्षेत्र की बड़ी बस्तियों में बोली जाती है। दक्षिण अमेरिका के एंडीज में, क्वेंचुआ को बारह मिलियन लोगों द्वारा और आयमारा को दो मिलियन से अधिक लोगों के द्वारा बोला जाता है। उनके अलावागुआरानी भाषा पराग्वे , ब्राजील,

अर्जेंटीना और बोलीविया में दो मिलियन से अधिक लोगों के द्वारा बोली जाती है। मेसोअमेरिका में तीस से अधिक माया भाषाएं बोली जाती हैं।

एलएसीमें विविध जातीय समूह भी हैं। औपनिवेशिक दास व्यापार के परिणामस्वरूप और औपनिवेशिक काल के दौरान वृक्षारोपण के विकास के लिए अफ्रीकी दासों के आयात के परिणामस्वरूप,कैरेबियन और ब्राजील के कुछ हिस्सों में अधिकांश आबादी मुख्य रूप से काले रंग की है। एंडीज और मेसोअमेरिका में देशी आबादी का अत्यधिक घनत्व है। लगभग 600मिलियन की कुल आबादी में से लैटिन अमेरिका की स्वदेशी आबादी लगभग चालीस से पचास मिलियन है। इस जनसंख्या में क्रेओल्स (यूरोपीय वंशज),मेस्टिज़ोस (स्वदेशी लोगों और क्रेओल्स का मिश्रण),और मुलतोस (अफ्रीकियों और क्रेओल्स का मिश्रण) भी शामिल हैं। कैरेबियाई क्षेत्र के कुछ हिस्सों में भारतीय प्रवासी की भी काफी संख्या है। गुयाना की लगभग पचास प्रतिशत आबादी भारतीय है। त्रिनिडाड और टोबैगो में चालीस प्रतिशत तथा सूरीनाम में कुल आबादी की सैंतीस प्रतिशतआबादी भारतीय प्रवासियों से युक्त है। ब्राजील जापान के बाद दुनिया में जापानी मूल के लोगों की दूसरी सबसे बड़ी आबादी का घर है। 1.5 मिलियन (2008 में) की अनुमानित आबादी ज्यादातर साओ पाउलो में केंद्रित है। इसके बाद पेरू है जिसकी जापानी मूल की आबादी लगभग 90,000 (2008 में) है। पेरू में भी चीनी मूल की 4.5 मिलियन आबादी (2009 में) है।

एलएसी का एक संक्षिप्त राजनीतिक इतिहास

ऐतिहासिक रूप सेएलएसी ने बहुत अधिक रक्तपात देखा है। एक समान रूप से हिंसक मुक्ति प्रक्रिया के बाद यह एक हिंसक उपनिवेशण प्रक्रिया के अधीन रहा था। पहले उदाहरण में,यूरोपीय लोग वहाँ के मूल

निवासियों पर हावी रहेजिससे अमेरिका की विजय हुई। दूसरे उदाहरण में क्रेप्स यूरोपीय प्रतिनिधियों पर हावी हो गए,जिससे यहस्वतंत्र हो गया। क्रियोल राष्ट्रवाद ने कमजोर स्पेन के खिलाफ हिस्पैनिक अमेरिका में स्वतंत्रता के लिए संघर्ष का नेतृत्व किया। उन्नीसवीं शताब्दी के प्रारंभ में हिसपैनो अमेरिकी देशोंने क्रियोल सेनाओं और स्पेनिश सेनाओं के बीच खूनी संघर्ष के परिणामस्वरूप स्वतंत्रता प्राप्त की। 1822 में ब्राजील स्वतंत्र हो गया,जब रियो डी जनेरियो में आसीन पुर्तगाली राजकुमार रीजेंटपुर्तगाल के साथ किसी भी और संबंध को खारिज कर दियाऔर ब्राजील का सम्राट बन गया। फ्रांसीसी औपनिवेशिक शासन के खिलाफ दासों के खूनी विद्रोह के परिणामस्वरूप 1804 में हैती स्वतंत्र हो गया। 1898 में स्पेनिश-अमेरिकी-क्यूबा युद्ध के बाद ही क्यूबा, स्पेनिश नियंत्रण से मुक्त हो गया। बीसवीं शताब्दी के उत्तरार्ध में,अधिकांश कैरिबियाई द्वीपों ने भी अपनी स्वतंत्रता प्राप्त की।

हैती और एंग्लोफोन कैरेबियन जैसे फ़्रैंकोफ़ोन क्षेत्रों ने ऐतिहासिक और भाषाई अंतर के कारण लैटिन अमेरिका के शेष हिस्सों के साथ एकीकरण में कुछ कठिनाई का अनुभव किया है। एक और बाधा कैरिबियाई देशोंद्वारा अभी भी अपने पुराने यूरोपीय उपनिवेशवादियों के साथ बनाया हुआ मजबूत राजनयिक संबंध है। इसी बीच,अतीत में संयुक्त राज्य अमेरिका,और वर्तमान में चीन,नए बाजारों को स्थापित करने और क्षेत्र में प्रभाव विकसित करने में बहुत रुचि रखते आ रहे हैं। लेकिन ऐसे संकेत हैं कि कैरिबियाई राज्य अपनी स्वतंत्रता पर जोर देना चाहते हैं तथा बार-बार और प्रभावी रूप से और तेजी से एक-दूसरे के साथ सहयोग कर रहे हैं।

एक रुझान जिसने लैटिन अमेरिका में स्वतंत्रता को स्थापित किया वह

समाज का सैन्यीकरण था। राजनीतिक और सैन्य शक्तियां साथ-साथ आगे बढ़ी। अधिकांश लैटिन अमेरिकी देशोंमें उनके पहले राष्ट्रपति,सैन्य जनरलों के रूप में थे,जिन्होंने अपने स्वतंत्रता संग्राम में भाग लिया था। प्रारंभ से ही,सेना हमेशा सरकार में शामिल रही थी। सैन्यीकरण ने कौडिलोस नामक लोगों की एक नई नस्ल के रूप में भी आकार लिया,जिन्होंने वैयक्तिक करिश्मे और सैन्य कौशल के माध्यम से सत्ता को अपने हाथ में लिया। क्रियोल कुलीनों के स्वतंत्रता के बाद वैध शासक वर्ग बनते ही उन्होंने अपने स्वयं के वर्ग और नस्ल की शक्ति और समृद्धि को बनाए रखना चाहा। परिणामस्वरूप,कॉडिलो और कुलीनों ने पारस्परिक रूप से निर्भरता का संबंध विकसित किया। बीसवीं शताब्दी के प्रारंभ तक,क्रेओल एलीट अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और विश्व अर्थव्यवस्था में प्रत्यक्ष भागीदारी से लाभान्वित हो रहे थे।

हालांकि, स्वदेशी जनसंख्या, का लाभ का समय नहीं रहा। क्रेओल नें जंगलों और भूमि का गहन दोहन किया चूंकि आर्थिक प्रगति को अधिक संसाधनों की आवश्यकता थी। उन्होंने आधुनिक सभ्यता के नाम पर 'बर्बर' के खिलाफ युद्ध छेड़ा,और धीरे-धीरे,जनजातियां गायब होने लगीं। उनके लिए स्वतंत्रता अधिक नहीं बदली थी। यह मात्र बीसवीं सदी की ही कोशिश थी जिसमें स्वदेशी समुदायों को बचाने की कोशिश हुई थी। लेकिन बीसवीं शताब्दी के शेष-भाग के अंत के बाद से,स्वदेशी आबादी को अपने अस्तित्व के लिए एक नए खतरे से निपटना पड़ा था। वैश्वीकरण ने विदेशी पूंजी के द्वार खोल दिए थे। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ),विश्व बैंक और अंतर-अमेरिकी विकास बैंक (आईडीबी) इत्यादि से राष्ट्रीय नीतियां प्रभावित होती हुई नजर आयीं। अधिक मुनाफे की इच्छा के लिए प्राकृतिक संसाधनों

के दोहन की आवश्यकता होती है,जो ज्यादातर स्वदेशी क्षेत्रों में होते हैं। परिणामत: बहुराष्ट्रीय निगमों के लिए संसाधनों के निजीकरण का खामियाजा उन्हें उठाना पड़ा। परिणामत :यह क्षेत्र वैश्वीकरण के खिलाफ स्वदेशी विद्रोह का एक साक्षी बन गया,उदाहरणार्थ 1994 में चियापास,मैक्सिको; और कोचाबम्बा,बोलीविया 2000 में। अगर यह उनके खर्च पर होता है तो स्वदेशी आबादी लैटिन अमेरिकी आर्थिक एकीकरण के रास्ते में आ सकती है।

संयुक्त राज्य अमेरिका की साम्राज्यवादी नीतियों का एलएसीपर व्यापक प्रभाव पड़ा है। 1823का मोनरो सिद्धांत,जिसने पश्चिमी गोलार्ध में उपनिवेश की किसी भी नई योजना के खिलाफ यूरोप को चेतावनी दी थी,दोधारी हो गया। एक तरफ इसने बाहरी खतरे के खिलाफ अमेरिका में सामूहिक सुरक्षा की बात की ; और दूसरी तरफ यह अपने हितों को आगे बढ़ाने के लिए अन्य,कमजोर देशों के आंतरिक मामलों में मध्यस्थता करने के लिए इस्तेमाल किया गया। यह संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए अस्वीकार्य था किलैटिन अमेरिका के संसाधनों के पहले लाभार्थी बनना चाहते थे। अमेरिकी निवेशकों को पहले लाभार्थी बनना पड़ा जबकि लैटिन अमेरिका ने अपने सेवा कार्य की पूर्ति की थी। संयुक्त राज्य अमेरिका ने लैटिन अमेरिका में अपने आर्थिक हितों की रक्षा के लिए नौसैनिकों को तैनात कियाऔर सक्रिय रूप से बेगारी व्यवस्थाओं को उखाड़ फेंकने के साथ-साथ कठपुतली व्यवस्थाओं को स्थापित करने में लग गये। यूएस-समर्थक शासनों ने अमेरिकी सशस्त्र बलों से सैन्य प्रशिक्षण प्राप्त किया। यह विश्व युद्ध के बाद की दूसरी अवधि भी थीऔर दुनिया के कई अन्य क्षेत्रों की तरह, एलएसीभी महाशक्तियों के शीत युद्ध की राजनीति में फंस

गया। “पिछवाड़े” में वामपंथियों के आगमन को क्यूबा के एकमात्र अपवाद के साथ संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा हर जगह जबरदस्ती कुचल दिया गया था।

मध्य अमेरिकी और कैरेबियाई देश, बनाना गणराज्य बन गए थे अर्थात् वे संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ मुख्य बाजार के रूप में एकल वस्तु की आपूर्ति करने वाली अर्थव्यवस्थाओं में से एक बन गए थे। अमेरिकी फर्मों ने लैटिन अमेरिकी देशों से पहले अमेरिकी आर्थिक हितों को प्राथमिकता देते हुए खनन और तेल उद्योगों में बड़े शेयरों को खरीदा। लैटिन अमेरिकी अर्थव्यवस्थाओं में अमेरिकी उपस्थिति के बढ़ने से आर्थिक राष्ट्रवाद सामने आया। उनमें से कुछजैसे मेक्सिको,अर्जेंटीना और ब्राज़ील ने कोशिश की और वस्तु-कच्चे माल का निर्यात करने वाले साँचे को तोड़कर अपनी अर्थव्यवस्थाओं का औद्योगीकरण करना शुरू कर दिया और उसके बाद अन्य ने भी इसका अनुगमन प्रारंभ कर दिया। यह अवधि आयात-प्रतिस्थापन औद्योगीकरण (आईएसआई) की थी , जिसका उद्देश्य गृह उद्योगों की रक्षा करना और आत्मनिर्भर बनना था।हालांकि ,प्रारंभिक लाभांश देने के बाद यह मॉडल विफल होने लगा। लैटिन अमेरिकी अर्थव्यवस्थाओं को तब वाशिंगटन सहमति की नीतियों को लागू करने के लिए मजबूर किया गया था,जो आईएमएफ,विश्व बैंक और अमेरिकी ट्रेजरी विभाग द्वारा प्रवर्तित नवउदारवादी सुधार पैकेज थे। अमेरिका ने तब अमेरिकी महाद्वीप में अमेरिका के मुक्त व्यापार क्षेत्र (एफटीएए) की योजना बनाई,लेकिन कई लैटिन अमेरिकी देशों के विरोध के कारण यह विफल रहा।

बीसवीं सदी न केवल विदेशी हस्तक्षेप बल्कि सैन्य तानाशाही और तख्तापलट से भी त्रस्त थी। भले ही लैटिन अमेरिका में चुनावी राजनीति अनुपस्थित नहीं थी,लेकिन राष्ट्र के मामलों पर अपनी पकड़ बनाए रखने के लिए सैन्य ताकतवरों ने शक्ति का छोटा रास्ता अपनाया। लैटिन अमेरिकी राजनीति में सैन्य हस्तक्षेप नयी बात नहीं थी। लेकिन 1960 और 1970 के दशक तक,सशस्त्र बलों ने एक 'संस्थागत ब्लॉक' के रूप में राजनीति में प्रवेश किया। उनका उद्देश्य पूरी तरह से राजनीति को निलंबित करके और समाज को पुनर्गठित करने के लिए तकनीकीतंत्र को स्थापित करके 'आधुनिकीकरण' करना था;जबकि सशस्त्र बलों ने कानून और व्यवस्था लागू की। यह केवल 1980 का ही दशक था जिसमें लैटिन अमेरिका ने लोकतंत्र की दिशा में एक मोड़ लिया। 1970 के दशक के अनुभव ने दिखाया कि एक मजबूत , स्थायी देश को सैन्य शक्ति द्वारा सुरक्षित नहीं किया जा सकता था।एक वैध राष्ट्र जो पूरी आबादी को स्वीकृति दे सके,उसकी आवश्यकता नेराजनीतिक अभिनेताओं के रूप में सशस्त्र बलों को बदनाम किया गया था।

लोकतंत्रीकरण के बाद गैरसैन्यीकरण घटित हुआ। इसके परिणामस्वरूप,सेना नागरिक सरकारों के अधीन हो गई। पनामा,कोस्टा रिका और हैती ने भीयहाँ तक कि अपने सशस्त्र बलों को समाप्त कर दिया। सशस्त्र बल का उपयोग अन्य उद्देश्यों जैसे शांति स्थापना,ड्रग उत्पादक-संघों से लड़ने और संगठित अपराध को समाप्त करने के लिए किया जाना था। उन्होंने इनका उपयोग, आंतरिक संकटों जैसे कि सरकार के खिलाफ विद्रोह; उदाहरण के लिए मैक्सिकन सशस्त्र बलों का इस्तेमाल मैक्सिको के चियापास में विद्रोह को रोकने के लिए भी किया गया था।

जहां तक क्षेत्रीय एकीकरण का संबंध है,उग्रवादियों ने अपनी-अपनी सरकारों के कार्यों से किनारा कर लिया है। लेकिन अप्रतिबंधित कुलीन और सेना के संयोजन से *तख्तापलट* की धमकी से इंकार नहीं किया जा सकता है।

इक्कीसवीं सदी की पहली किरण से,चूंकि लोकतंत्र ने इस क्षेत्र में गहरी जड़ें जमा ली थी,लैटिन अमेरिका ने मुख्य रूप से दक्षिणपंथी सैन्य तानाशाही से, खासकर वामपंथी दलों और नेताओं के क्रमिक उदय के साथ एक अधिक संतुलित राजनीतिक परिदृश्य में अवस्थांतर किया। यहाँ वर्तमान मेंराजनीतिक प्रवृत्ति अथवा ऐतिहासिक शत्रुता पर व्यापार और आर्थिक संबंधों की प्रबलता भारी है। परिणामस्वरूप,नेता और सरकारें आपसी लाभ के लिए मतभेदों को दूर करने का प्रयास कर रही हैं। इस दिशा में क्षेत्रीय एकीकरण के लिए कई पहल की गई हैं,खासकर तीन स्तरों;एलएसी के उप क्षेत्रों में ,सदस्य देशों के राजनीतिक झुकाव के आधार पर,और जो पूरे या अधिकांश एलएसी को शामिल करते हैं। क्षेत्रीय एकीकरण की दिशा में प्रयास सुचारू रूप से नहीं हुए हैंतथा इस संबंध में कई बार बाधाओं का सामना करना पड़ा है,जिसके विषय में इस लेख में बाद में विस्तार से चर्चा की जाएगी।

पूर्व दक्षिणपंथी तत्वों की प्रतिष्ठा, दक्षिणपंथी दलों के रूप में भूमिका निभाती है,जो कुलीन वर्ग और सेना के समर्थन का आनंद लेते हैं। वैचारिक रूप से विरोध करने वाले वामपंथी दलों के साथ उनके टकराव ने सामयिक *तख्तापलट* को जन्म दिया है। उदाहरण के लिए 2002में,ह्यूगो शावेज को दक्षिणपंथी तत्वों द्वारा पारंपरिक वेनेजुएला की राजनीतिक पार्टियों के साथ गठबंधन किया गयाऔर वेनेजुएला की सेना के कुछ तत्वों द्वारा उन्हें अपदस्थ करदिया गया था। संयुक्त राज्य अमेरिका और फ्रांस ने मिलकर

2004 में हैती के निर्वाचित राष्ट्रपति को हटाने में हस्तक्षेप करने के लिए भूमिका निभाई थी। तीसरा तख्तापलट 2009 में होंडुरास में एक वर्ग-आधारित सेना द्वारा एक वामपंथी झुकाव वाले राष्ट्रपति जेलेया को हटाने के लिए किया गया था। सबसे नया 2012 में पैराग्वे के राष्ट्रपति फर्नांडो लुगो का अपस्थीकरण था,जिसे सैन्य और अभिजात वर्ग के सहायक फेडेरिको फ्रेंको द्वारा प्रतिस्थापित किया गया था। वर्तमान में एलएसी का राजनीतिक परिदृश्य इस प्रकार है।

केंद्र के वामांगी	केंद्रीय	केंद्र के दक्षिण पंथी
क्यूबा (राउल कस्ट्रो)	ब्राजील (डिल्मा रूसेफ)	मेक्सिको (फेलिप कैल्ड्रोन)
वेनेजुएला (ह्यूगो सावेज)	पेरू (ओलांटा हुमाला)	पनामा (रिकार्डो मार्टिनेली)
अर्जेंटीना (क्रिस्टीना फर्नांडेज)	गुयाना (डोनाल्ड रामोटार)	होंडुरास (पोरिरियो लोबो)
बोलीविया (इवो मोरालेस)	सूरीनाम (डीसी बूटर्सी)	कोलंबिया (जुआन मैनुअल सांटोस)
एक्वाडोर (राफाएल कोरेया)	एल साल्वोडोर (मोरीसियो फ्यूनेस)	चिली (सेबास्टियन पिनेरा)
निकारागुआ (डैनियल ओर्टेगा)	डोमिनिकन गणराज्य (डैनिलो मेडिना)	पैराग्वे (फेडेरिको फ्रांको)
उरुग्वे (जोशे मुजीका)	कोस्टा रिका (लौरा चिंनचिल्ला)	ग्वाटेमाला (ओट्टो पेरेज मोनीला)

स्रोतः रचनाकार द्वारा संग्रहीत व संकलित किया गया।

यद्यपि डिल्मा रूसेफ और ओलांटा हुमाला पारंपरिक तौर पर वामपंथी पार्टी से आती है मगर वे केंद्रीकृत नीतियों का अनुगमन करती हैं और लैटिन अमेरिका में जिसे 'पिंग टाइड' के नाम से जाना जाता है उसका हिस्सा हैं।

एकीकरण के विचार का इतिहास

सिमोन बोलीवर

सिमोन बोलिवर (1783-1830) के दौरान दक्षिण अमेरिका के सबसे प्रमुख स्वतंत्रता सेनानियों में से एक थे। अमेरिकी एकीकरण के विचार को उनके लेखन ने जन्म दिया था। उन्नीसवीं सदी के प्रारंभ में,उन्होंने इस क्षेत्र में नए स्वतंत्र हिस्पैनी देशों के बीच एकीकरण की जोरदार वकालत की। उसने सोचा कि यह मजबूत,अविश्वास योग्य,उत्तरी अमेरिकी महाद्वीप को देखते हुए आवश्यक था। सर्वप्रथम,उन्होंने तर्क दिया कि उत्तरी अमेरिका यूरोप और एंग्लो-सैक्सन लोगों का एक विस्तार था ; जबकि हिस्पानोअमेरिका पूरी तरह से एक अलग संस्कृति थी। इसके आर्थिक,सामाजिक और राजनीतिक संगठन के साथ-साथ भाषा और विलक्षणता के अपने अलग रूप थे। यह न केवल यूरोपीय शक्तियों के बीच शाही संघर्ष के लिए युद्ध का एक मैदान बन गया था,बल्कि यहां तक कि संयुक्त राज्य अमेरिका भी "स्वतंत्रता के नाम पर इसे भाग्य में लिखा हुआ दुख के साथ लैटिन अमेरिका को सताने "में लग रहा था। संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रति उनका अविश्वास इस तथ्य से उपजा है कि हिस्पैनी-अमेरिकी उपनिवेशों के स्वतंत्रता संघर्षों में तटस्थता की घोषणा करने के बावजूद इसने स्पेन का साथ दिया था। बॉलीवर के लिए यह स्पष्ट था कि संयुक्त राज्य अमेरिका लैटिन अमेरिकी स्वतंत्रता के विचार से डरता था

और यहां तक कि उसकी एकीकरण की परियोजना भी।

हिस्पैनो अमेरिकी एकीकरण के लिए उनका दूसरा तर्क, निकट भविष्य में लैटिन अमेरिकी और कैरेबियाई क्षेत्र में राजनीतिक अस्थिरता और असुरक्षा का डर था। 1815 में उनके द्वारा लिखी *कार्टा डे जमैका* में उन्होंने दावा किया था कि अमेरिका के अधिकांश भाग का भ्रमण करने से बहुत पहले ही उन्होंने स्वतंत्रता के विचार के साथ-साथ एक हिस्पैनो-अमेरिकी विचार बनाने की मांग की थी। वह लैटिन अमेरिकी राष्ट्र को एकजुट करने के लिए उत्सुक थे जिसके विषय में उन्हें लगता था कि इसे स्पेन,उपनिवेश के द्वारा विभाजित किया गया था। उन्होंने सभी यूरोपीय हस्तक्षेपों से मुक्त, अमेरिकियों के लिए एक अमेरिका की संकल्पना की थी। उनका मानना था कि अगर दक्षिण अमेरिका में राष्ट्रों का गठन हुआ,तो महासंघ सबसे मजबूत कड़ी होगी जो उन्हें एकजुट कर सकती है। वह एक साधारण आक्रामक या रक्षात्मक गठबंधन की तुलना में कुछ और अधिक मजबूत का निर्माण करना चाहते थे:

हमारा,सामूहिक राष्ट्रों का एक समाज होना चाहिए,जो हाल के समय के लिए अलग हो जाए.......,लेकिन विदेशी शक्तियों की आक्रामकता के खिलाफ स्वयं को एकजुट,मजबूत और शक्तिशाली बनाए रखने में सक्षम हो.......... [हमें] एक उभयचर निकाय या प्लेनिपोटेंटियरीज कीविधानसभा की नींव रखनी चाहिए जो अमेरिकी देशों के सामान्य हितों को एक गति दे सकती है और भविष्य में उत्पन्न होने वाली किसी भी कलह को सुलझा सकती है।

इसी दिशा में 1826 में उन्होंने पनामा महासम्मेलन आयोजित किया। वो बोलिविया से मेक्सिको तक सभी देशों के साथ आगे अमेरिकी एकीकरण

पर विचार-विमर्श व उसे स्थापित करना चाह रहे थे। यह सम्मेलन 22 जून से 15 जुलाई,1826 तक आयोजित हुआ और इसमें पेरू,ग्रान कोलम्बिया,मैक्सिको और ग्वाटेमाला के दूतों ने भाग लिया। इसमें ब्रिटिश और डच सरकारों के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे। हालांकि ,इस क्षेत्र से अपवाद भी थे कि वे अभी तक एकीकरण योजना में शामिल होने के इच्छुक नहीं थे। उदाहरण के लिए,ब्राजील और हैती ने अलग-अलग मत व्यक्त किए और रियो डी ला प्लाटा भी इससे बहुत दूर था। वह अमेरिकी एकीकरण की अपनी योजना में संयुक्त राज्य अमेरिका को भी शामिल नहीं करना चाहता था।

ग्रान कोलम्बिया के उपराष्ट्रपति,फ्रांसिस्को डी पाउला सैंटनर , हालांकि,अपने राष्ट्रपति,बोलिवर की इच्छाओं के खिलाफ गए और अमेरिका को सम्मेलन में आमंत्रित किया। सेंटेंडर अमेरिका के साथ व्यापार संबंधों को मजबूत करने के उत्सुक थे। इसने बोलिवर और सैंटनर के बीच राजनीतिक और व्यक्तिगत दरार को गहरा किया। भले ही वे आजादी की लड़ाई में एक-दूसरे के साथ लड़े थे,फिर भी उन्होंने नए स्वतंत्र देशोंपर शासन करने के लिए वैचारिक मतभेद विकसित किए। जहाँ बोलिवर ने एक अमेरिकी महासंघ का समर्थन किया वहींसेंटेंडर ने यूरोपीय शैली के राष्ट्र-राज्यों को प्राथमिकता दी। उप-राष्ट्रपति ने भी बोलिवर की उप क्षेत्रीय एकीकरण योजना की व्यवहार्यता ; अर्थात् ग्रेने कोलम्बिया के नए राष्ट्र के निर्माण के लिए नुएवा ग्रेनेडा के साथ वेनेजुएला का एकीकरण पर संदेह किया;नतीजतन,सैंटनर,“मैन ऑफ लॉ ” बोलिवर ,“मैन ऑफ आइडियाज ” के साथ आपस में लड़ गए। पहले के , एक मध्यमार्गी होने के नाते उसने कानून और नीति पर काम कियाऔर दूसरे के,एक दक्षिणपंथी होने के नाते

उसनेअपने विचारों को वास्तविकता में बदलने के लिए बल का उपयोग करने में संकोच नहीं किया। यहां तक कि जोस डी सैन मार्टिन,दक्षिणी कोन के मुक्तिदाता ने चूंकि 1822 के गुआयाकिल सम्मेलन में उनके भिन्न मतों को प्रस्तुत करने बाद,बोलीवर ने पेरू के भविष्य के रुख को तय किया।

महाद्वीपीय स्तर परऔर उप-क्षेत्रीय स्तर पर एकीकरण की दिशा में बोलिवर के दोनों प्रयास ,उनके और इसमें उपस्थित अन्य कारकों के बीच वैचारिक मतभेद के परिणामस्वरूप विफल रहे। ग्रान कोलम्बिया शीघ्र ही पनामा,कोलम्बिया,इक्वाडोर,और वेनेज़ुएला,इसके घटक राष्ट्रों में बट गया। यहां तक कि पनामा के सम्मेलन में हस्ताक्षर किए गए चिरस्थायी संघ,संघ और परिसंघ की संधि को व्यर्थ करार दिया गया था क्योंकि यह ग्रैन कोलंबिया को छोड़कर किसी अन्य राज्य द्वारा अनुमोदित नहीं था। ये, यह भी दर्शाता है कि क्षेत्रीय एकीकरण के प्रारंभिक प्रयासों के बाद से लैटिन अमेरिका में संयुक्त राज्य अमेरिका की भूमिका पर बहस चल रही है।

क्यूबा की क्रांति

1959में हुई क्यूबा की क्रांति ने वर्तमान में उन देशों को एक साथ लाकर एकीकरण में योगदान दिया है, जो अपने क्रांतिकारी आदर्शों को साझा करते हैं। क्रांति के साथ-साथ क्यूबा के राष्ट्रवादी आंदोलन, क्यूबा के कवि,स्वतंत्रता सेनानीऔर क्रांतिकारी,जोस मार्टी से प्रेरित थे जिसने बोलिवर केअमेरिका के विस्तारवाद के डर को साझा किया था। एक लैटिन अमेरिकी के रूप में मार्टी,जितना वह एक राष्ट्रवादी थाकी पहचान 'मेस्टिज़ो अमेरिका'के रूप में ऐसे समय में हुई जब नए स्वतंत्र क्षेत्र की पहचान पर प्रश्न उठ रहे थे। फिदेल कास्त्रो ने 26जुलाई के आंदोलन के अपने बचाव में घोषणा की, कि यह भी मार्टी के लेखन से प्रेरित रहा था। उन्होंने घोषणा की कि अमेरिका में क्यूबा की नीति साथी देशों के साथ घनिष्ठ एकजुटता वाली होनी चाहिए। क्यूबाई क्रांति क्षेत्रीय प्रयासों से एक हद तक प्रेरित थी और सफल होने के बाद भी ऐसा करने की इच्छुक थी।

क्रांति के बाद में नई सरकार के मुख्य लक्ष्य ऐसे राजनीतिक संप्रभुता और सामाजिक सुधार थे,जहां एक नया समाज व नये मानव का निर्माण किया जाना था ; एक ऐसा व्यक्ति जो भौतिक लालच और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा से मुक्त होगा,जो सामूहिक रूप से और अपने साथियों के साथ सद्भाव से रहेगा। फिदेल कास्त्रो ने 1961 में खुद को मार्क्सवादी घोषित किया और लैटिन अमेरिकियों की एक पूरी पीढ़ी ने क्रांतिकारी प्रेरणा के लिए उन्हें और चे ग्वेरा की ओर देखा। ग्वेरा अन्य एलएसी देशों के क्रांतियों में भाग लेने के लिए चले गए औरअंततः बोलिविया में उन्हें मौत के घाट उतार दिया गया। इसके परिणामस्वरूप,वामपंथी नेताओं का एक श्रंखला बाद के वर्षों में सत्ता में आयी ; जैसे किचिली के सल्वाडोर अलेंदे,

पहली बार लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित समाजवादी राष्ट्रपति; वेनेजुएला के ह्यूगो शावेज; बोलीविया के इवो मोरालेस; तथा इक्वाडोर के राफेल कोरीया। हमारे अमेरिका के लोगों के लिए बोलिवेरियाई गठबंधन (*अलियांज़ा बोलिवेराना पैरा लॉस प्यूब्लोस डी नुएस्ट्रा अमेरीका अथवा*एएलबीए) सिमोन बोलिवर,जोस मार्टी,फिदेल कास्त्रो,चे ग्वेरा आदि द्वारा छोड़ी गई विरासत का परिणाम है।

ओएएस (अमेरिकी राज्यों का संगठन अथवा *आर्गानाइशेसन डि इस्टाडोस मेरिकानोस*)

ओएएस, पश्चिमी गोलार्ध के सभी देशों को एक छाते के नीचे लाने वाला पहला क्षेत्रीय संगठन था। वाशिंगटन डीसी में अपने मुख्यालय के साथ 1948 में इसकी स्थापना हुई थी और इसमें विश्व के उस भाग के सभी 35 देश शामिल थे। 1962 में,शीत युद्ध में सोवियत संघ का साथ देने के कारण संयुक्त राज्य अमेरिका के इशारे पर क्यूबा को ओएएससे हटा दिया गया था। ओएएसका उद्देश्य, सदस्य देशों के बीच लोकतंत्र,मानवाधिकारों,सुरक्षा और विकास को बढ़ावा देना है और वह ऐसा राजनीतिक संवाद और सहयोग के माध्यम से करता है। इसने मानवाधिकार पर अंतर-अमेरिकी आयोग और अंतर-अमेरिकी न्यायिक समिति जैसे स्वायत्त संस्थानों की भी स्थापना की है। यह हर तीन साल में एक बार अमेरिका के शिखर सम्मेलन का आयोजन करता है,जहां देशों के प्रमुख और सदस्य देशों की सरकारें आम मुद्दों पर चर्चा करने के लिए एकत्रित होती हैं।

अप्रैल 2012 में, कोलंबिया के कार्टाजेना में आयोजित नवीनतम शिखर सम्मेलन, अल्बा (*आलिएंजा बोलिवारियाना पारा लोस प्यूब्लोस डि न्यूस्ट्रे*

अमेरीका अथवा हमारे अमेरिका के लोगों के लिए बोलिवेरियन गठबंधन) के सदस्यों के बीच गतिरोध के कारण तथा क्यूबा की उपस्थिति पर अमेरिका किसी राजनीतिक घोषणा पर आने में विफल रहा। यूएसए ने मेजबान कोलंबिया के माध्यम से क्यूबा की भागीदारी का विरोध कियाऔर उसके बाद विवाद में कनाडा द्वारा बहस का समर्थन किया गया। कोलंबिया के पास कोई विकल्प नहीं था,क्योंकि क्यूबा को औपचारिक रूप से ओएएस में वापस तब तक शामिल नहीं किया जा सकता था,जब तक 2009 में इसे पुनः आमंत्रित किये जाने पर उसने डेमोक्रेटिक चार्टर पर हस्ताक्षर नहीं कर लिए थे। इस शिखर सम्मेलन ने स्पष्ट रूप से पश्चिमी गोलार्ध में वैचारिक विभाजन को प्रस्तुत किया,क्योंकि आल्बानेताओं ने क्यूबा को आमंत्रित किए जाने तक अगले शिखर सम्मेलन में शामिल नहीं होने की धमकी दी थी। ओएएस पर विचार करें तो यह हमेशा से अमेरिका के प्रभुत्व वाला संगठन रहा है,कार्टाजेना समिट में जो बात सामने आई वह यह थी कि एलएसी में एक नए क्षेत्रीय व्यवस्था को चिह्नित करते हुए अमेरिका के कई साथी-क्षेत्रों ने भी कई मुद्दों पर अमेरिका का समर्थन नहीं किया। और इस नयी क्षेत्रीय व्यवस्था ने ओएएसके महत्व को कम कर दिया और संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा को छोड़कर नए संगठनों को जन्म दिया है,जैसे कि सेलैक। इसके अलावा,क्लिंटन की अवधि (1993-2001) की तुलना में,यूएसए ने अपना ध्यान लैटिन अमेरिका से बुश युग (2001-2009) के दौरान हटा दिया,जो बताता है कि एफटीएए किस तरह समाप्त हो गया।

अलादी (*अशोसिएसियन लैटिनोमेरिकाना डि इंटेग्रेसियन* अथवा लैटिन अमेरिकी एकीकरण संगठन)

अलादी के गठन की व्यवस्था 1960 के अमेरिकी मुक्त व्यापार संगठन (एलएएफटीए) में निहित है, जो बाद में 1980 में मोंटावीडियो, उरुग्वे की संधि के द्वारा लैटिन अमेरिकी एकीकरण संघ में परिवर्तित हो गया था। मोंटेवीडियो संधि ने एक साझा बाजार बनाने और सदस्य देशों के बीच शुल्कों को कम करने की मांग की। हालांकि ,तेरह सदस्यीय अलादीको एकीकरण के अपने प्रयास में विफल माना जाता है। आज ये अनिवार्य रूप से क्षेत्रीय व्यापार के लिए एक समाशोधन गृह के रूप में कार्य करता है।

क्षेत्रीय संगठन

एलएसी के क्षेत्रीय संगठनों का तीन वृहद वर्गों के अधीन अध्ययन किया जा सकता है।

1. एलएसी के उप-क्षेत्रों में गठित किए गए संगठन
2. सदस्य देशों के राजनीतिक झुकाव के आधार पर संगठनों का गठन
3. पूरे अथवा एलएसी के अधिकांश भाग को शामिल करने वाले संगठन

उप क्षेत्रों में

उप क्षेत्रों में गठित क्षेत्रीय संगठनों में एंडियन कम्युनिटी ऑफ नेशंस,मर्कोसुर,मध्य अमेरिकी एकीकरण तंत्र और कैरेबियन समुदाय हैं।

सीएएन (*कोमूनीडेड एंडीना डि नैसिओंस* अथवा देशों का ऐंडियन समुदाय)

कैन का गठन 1969 में बोलीविया,चिली,कोलंबिया,इक्वाडोर और पेरू

द्वारा कार्टाजेना समझौते पर हस्ताक्षर करके किया गया था। यह मूल रूप से एंडियन पैक्ट था, लेकिन 1997 में यह एंडियन कम्युनिटी ऑफ नेशंस बन गया। पेरू के लीमा में अपने मुख्यालय के साथ,इसका उद्देश्य आर्थिक एकीकरण और सामाजिक सहयोग द्वारा संयुक्त रूप से अपने लोगों के जीवन स्तर में सुधार करना है। अपने अस्तित्व के चार दशकों में, कैनकी सदस्यता, सदस्य देशों में राजनीतिक बदलाव के लिए अतिसंवेदनशील बनी हुई है। उदाहरण के लिए,चिली ने 1976 में जनरल ऑगस्टो पिनोशे की सैन्य तानाशाही के दौरान इसे छोड़ दिया। तानाशाह मुक्त व्यापार और एक खुली अर्थव्यवस्था को सख्ती से बढ़ावा देना चाहता था जबकि अन्य सदस्य ऐसा नहीं चाहते थे। हालांकि ,चिली 2006 में एक सहयोगी सदस्य के रूप में समुदाय में फिर से शामिल हो गया। वेनेज़ुएला 1973 में कैनमें शामिल हुआ,लेकिन 2006 में कोलंबिया और पेरू के साथ मतभेदों के कारण उसने इसे छोड़ दिया। शावेज का रुख वैश्वीकरण विरोधी था, जबकि कोलंबिया और पेरू ने मुक्त बाजार की विचारधारा का पालन कियाऔर अमेरिका के साथ एफटीए पर हस्ताक्षर किए। वेनेज़ुएला के बाहर होने का कैन पर बहुत प्रभाव पड़ा, क्योंकि यह इसकी आर्थिक ताकत का एक तिहाई हिस्सा था। इसके परिणामस्वरूप, चावेज़ एक सहयोगी सदस्य के रूप में एक और क्षेत्रीय समूह,मर्कोसुर में शामिल हो गए। मर्कोसुर के चार सदस्य 2005 में कैनके सम्बद्ध सदस्य बन गए।

कैन के आवश्यक तथ्य	
जनसंख्या (2012)	101 मिलियन
प्रति व्यक्ति स.घ.उ. (2012)	6,348 डॉलर
अंतर-समूह व्यापार (2010)	7.8 बिलियन डॉलर

स्रोतः लेखक द्वारा संकलित

अपने अस्तित्व के चार दशकों से भी अधिक समय में,कैन ने 1970 के दशक में आयात प्रतिस्थापन की अपनी प्रथाओं को, 1990 के दशक में उदारीकरण के रूप में बदल दिया। इसके परिणामस्वरूप, 1989 से व्यापार और बाजार को अधिक प्राथमिकता मिलने लगी। 1993 में कैन बोलीविया,कोलंबिया,इक्वाडोर और वेनेजुएला के बीच एक मुक्त व्यापार क्षेत्र बन गया ;जबकिपेरू मात्र इसमें बाद में शामिल हुआ। कॉमन एक्सटर्नल टैरिफ (सीईटी) को 1994 तक मंजूरी दे दी गई थी। एंडियन पासपोर्ट के प्रभाव में आने से, 2005 से,कैन के क्षेत्र के भीतर नागरिकों कास्वतंत्र विचरण संभव हो गया।

कैन, एलएसीमें क्षेत्रीय समूहों की सर्वश्रेष्ठ संस्थाओं में से एक है। इसमें एकीकरण की एक एंडियन प्रणाली (*सिस्टेमा एंडिनो डी इंटेग्रैसिऑन या एसएआई*) मौजूद है,जो कैन के अंगों और संस्थानों को चित्रित करता है। उच्चतम एंडियन अध्यक्षपरिषद् है,जो बोलीविया,कोलंबिया,इक्वाडोर और पेरू के चार अध्यक्षों से मिलकर बना है। वे कैनकी राजनीतिक दिशा के प्रभारी हैं। इसमेंविदेश संबंधों के मंत्रियों की एंडियन परिषद् है,जो एकीकरण से संबंधित विषयों पर बाहरी नीति तैयार करती है,और अंतर्राष्ट्रीय मंचों में संयुक्त स्थितियों का समन्वय करती है। इसमें प्लेनिपोटेंटियरीज से गठित एक आयोग है जो व्यापार और निवेश पर नीतियों का निर्माण करता है और अनुपालन के लिए नियम भी बनाता है। इसमें एक महासचिव,न्याय के एंडियन ट्रिब्यूनल और एंडियन संसद भी हैं।

कैनके सदस्यों का आपस में शत्रुता का इतिहास भी रहा होगा,लेकिन सफलतापूर्वक उन्हें दूर कर लिया है। 1995में एक लंबे समय से क्षेत्रीय विवाद को लेकर इक्वाडोर और पेरू के बीच एक संक्षिप्त युद्ध हुआ

था,जिसे 1998में एक शांति संधि पर हस्ताक्षर करके हल किया गया था। 2008 में,इक्वाडोर और कोलंबिया ने एक कूटनीतिक संकट का सामना किया जब कोलंबियाई सैन्य बलों ने राउल रेयेस,एफएआरसी के दूसरे-इन-कमांड (*फ़ुर्ज़स आर्मादास रिवॉल्यूशनियास डे कोलंबिया* या कोलंबिया के क्रांतिकारी सशस्त्र बल) की खोज में इक्वाडोरियन क्षेत्र में प्रवेश किया था। इक्वाडोर के क्रोधित राष्ट्रपति राफेल कोरेया ने कोलंबिया के साथ राजनयिक समाप्त कर दिए। कोलंबिया ने दावा किया कि साक्ष्यों से पता चलता है कि एफएआरसी को इक्वाडोर और वेनेजुएला से समर्थन मिल रहा था। इस संकट को ओएएस तथा रियो समूह की ओर से सक्रिय कूटनीति द्वारा हल किया गया।

हाल के वर्षों में कैन को अपने सदस्यों के बदलती राजनीतिक झुकाव के कारण कार्यात्मक संकट का सामना करना पड़ा है। जहाँ कोलंबिया और पेरू अमेरिका और यूरोप के साथ घनिष्ठ एकीकरण चाहते हैं,और एक मुक्त बाजार विचारधारा अपनाने के लिए तैयार हैं वहींइक्वाडोर और बोलीविया इसका विरोध करते हैं। इसके परिणामस्वरूप,दोनों समूह अन्य उप क्षेत्रीय संगठनों में शामिल हो गए हैं जो उनकी अपनी-अपनी विचारधाराओं के अनुरूप हैं। कोलम्बिया और पेरू प्रशांत गठबंधन के सदस्य हैं, जबकि इक्वाडोर और बोलीविया आल्बा का हिस्सा हैं।

मर्कोसुर (*मर्काडो कोमून डेल सुर* अथवा दक्षिण का आम बाजार)

मर्कोसुर का गठन 1991 में दक्षिणी कोने के देशों अर्जेंटीना, ब्राजील, पराग्वे तथा उरुग्वे के द्वारा एक असनियन की संधि के माध्यम से किया गया था। यह 1985 में दक्षिण अमेरिका,ब्राजील और अर्जेंटीना के दो पारंपरिक प्रतिद्वंद्वियों के बीच एक राजनीतिक समझ का नतीजा

था।अर्जेंटीना-ब्राजील एकीकरण और आर्थिक सहयोग कार्यक्रम (प्रोग्राम डि इंटेग्रेशियन वाइ कोपेरासियन इकोनोमिका अर्जेंटीना-ब्रासिल अथवा पीआईसीई)जिन पर उनके द्वारा हस्ताक्षर किए गए थे,ने क्षेत्रीय शक्ति का अनुगमन करने के बजाय क्षेत्रवाद को प्राथमिकता दी। इसलिए,मर्कोसुर ने सीमा शुल्क और गैर-टैरिफ प्रतिबंधों के उन्मूलन के माध्यम से सदस्य देशों के बीच सामान,सेवाओं और उत्पादन के कारकों की स्वतंत्र आवाजाही का लक्ष्य निर्धारित किया। यह अन्य देशों या देशों के समूहों के संबंध में एक आम व्यापार नीति रखने की भी मांग करता है। वेनेजुएला 2006 में सहयोगी सदस्य के रूप में व्यापार समूह में शामिल हो गया और इसने2012 में इसकी पूर्ण सदस्यता प्राप्त की। व्यापार ब्लॉक के नियमों को पूरी तरह से अपनाने के लिए इसे चार साल का समय दिया गया। मर्कोसुर के वर्तमान सहयोगी सदस्य चिली और कैनके सदस्य हैं।

मर्कोसुर के आवश्यक तथ्य	
जनसंख्या (2012 अनुमानित)	276 मिलियन
जीडीपी प्रति व्यक्ति	11,945 अमेरिकी डॉलर
अंर्तसमूह व्यापार (2011)	107.19 बिलियन अमेरिकी डॉलर

स्रोत: लेखक के द्वारा संकलित

1994 के औरो प्रेटो, ब्राजीलके प्रोटोकॉल ने मर्कोसुरकी संस्थागत संरचना की स्थापना कीऔर सीमा शुल्क संघ को औपचारिक रूप दिया। इसके परिणामस्वरूप मर्कोसुरने 1995में एक आम बाह्य शुल्क को अपनाया। इसमें आम बाजार परिषद्, आम बाजार समूह और व्यापार आयोग जैसे संस्थान हैं। आम बाजार परिषद् मर्कोसुर का सर्वोच्च संस्था है और यह राजनीतिक नेतृत्व और निर्णय लेने के लिए जिम्मेदार है। आम

बाजार समूह, परिषद् के फैसलों को लागू करने और व्यापक आर्थिक नीतियों के समन्वय के लिए जिम्मेदार है। व्यापार आयोग सदस्य देशों द्वारा अपनाई गई सामान्य व्यापार नीति को लागू करने के लिए जिम्मेदार है। मर्कोसुर संसद की स्थापना 2006 में हुई थीऔर इसमें प्रत्येक सदस्य देशों के अठारह प्रतिनिधि हैं। मर्कोसुर का मुख्यालय मोंटेवीडियो, उरुग्वे में स्थित है।

मर्कोसुर सदस्य देशों के प्रजातांत्रिक आदर्शों को बहुत महत्व देते हैं। प्रजातात्रिक समर्पण (1998) पर उशुआ का प्रोटोकॉल स्पष्ट रूप से बताता है कि एकीकरण प्रक्रिया के विकास के लिए पूर्ण लोकतांत्रिक संस्थान एक आवश्यक आरंभिक शर्त हैं। इसके अलावा, लोकतांत्रिक प्रणाली (किसी सदस्य देश में) में कोई भी परिवर्तन या टूटना (एकीकरण) प्रक्रिया की निरंतरता के लिए अस्वीकार्य बाधा होगी। प्रजातांत्रिक समर्पण (2011) पर मोंटेवीडियो का प्रोटोकॉल अन्य सदस्यों को ऐसी स्थिति पर प्रतिबंध लगाने या अपनी सीमाओं को पूरी तरह या आंशिक रूप से बंद करने की अनुमति देता है। इसके परिणामस्वरूप,जून,2012 में राष्ट्रपति फर्नांडो लुगो के खिलाफ तख्तापलट ने मर्कासुर से पराग्वे का निलंबन करा दिया। व्यापार समूह के अन्य सदस्यों ने प्रजातांत्रिक समर्पण पर उशुइया के प्रोटोकॉल का आह्वान कियाऔर समूह के भीतर पराग्वे के राजनीतिक अधिकारों को वापस ले लिया,जबकि उन्होंने आर्थिक और व्यापारिक संबंधों को बनाए रखा। संयोग से,पराग्वे के निलंबन के बाद वेनेजुएला मर्कोसुर का पूर्ण सदस्य बन गया। पराग्वे की सीनेट ने वेनेजुएला में लोकतंत्र की कमी के कारण मर्कोसुर के लिए वेनेजुएला की पूर्ण पहुंच को अवरुद्ध कर दिया। जैसे ही पराग्वे को निलंबित किया गया,अन्य सदस्यों ने इसकी पूर्ण

सदस्यता के लिए मतदान कर दिया।

मर्कोसुर को अतीत में अपने अस्तित्व के लिए खतरों का सामना करना पड़ालेकिन इसने उन्हें सफलतापूर्वक पार कर लिया। ब्राजील और अर्जेंटीना ने क्रमश: 1999 और 2001 में जब मुद्रा संकट का सामना किया था तो उस समय इसने अपनी आर्थिक और राजनीतिक अर्थव्यवस्था को लगभग खो दिया था। उदाहरण के लिए,1999 मेंब्राज़ील ने जब अपनी मुद्रा का अवमूल्यन किया तो उसके परिणामस्वरूप ब्राज़ीलियन रियल लगभग चालीस प्रतिशत कम हो गया। इसके परिणामस्वरूप अन्य सदस्य देशों की तुलना में ब्राजील के निर्यात की लागत लगभग आधी हो गई। व्यापार समूह की दूसरी प्रमुख अर्थव्यवस्था अर्जेंटीना नेब्राजील के आयातों पर शुल्क लगाकर इसका प्रतिकार किया। लेकिन मर्कोसुर बना रहा क्योंकि दोनों अर्थव्यवस्थाओं ने महसूस किया कि एकीकरण के साथ जारी रहना उनके रणनीतिक हित में था।

सीका (*सिस्टेमा डि इंटेग्रेसिओन सेंट्रोमेरिकाना* अथवा केंद्रीय अमेरिकी एकीकरण प्रणाली)

होंडुरास में टेगुसीगाल्पा प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर करने के बाद, सीका की स्थापना 1991 में मध्य अमेरिकी देशों बेलीज,कोस्टा रिका,अल साल्वाडोर,ग्वाटेमाला,होंडुरास,निकारागुआ और पनामा द्वारा की गई थी। डोमिनिकन गणराज्य मध्य अमेरिकी संगठन का एक सहयोगी सदस्य है। भले ही एसआईसीए का उद्देश्य एक मुक्त व्यापार क्षेत्र होना और एक साझा बाजार का निर्माण करना है,लेकिन इसके पीछे मुख्य उद्देश्य राजनीतिक एकीकरण है। मध्य अमेरिका में राजनीतिक संकटों और तानाशाही के इतिहास से सीखे गए सबक को ध्यान में रखते हुए,उस समय के लोकतांत्रिक शासन ने मध्य अमेरिकी एकीकरण की मांग की। सीकाके अग्रदूत मध्य अमेरिकी देशों के संगठन (आर्गेनाइसेसिओन डि इस्टाडोस सेंट्रोमेरिकानास अथवा ओडेका)थे। अल सल्वाडोर में अपने मुख्यालय के साथ सीका,अंतर्राष्ट्रीय मंचों में एक वार्ता समूह के रूप में इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करता है।

सीका के आवश्यक तथ्य	
जनसंख्या	45 मिलियन
संयुक्त जीडीपी	108 बिलियन अमेरिकी डॉलर

स्रोत: लेखक का संकलन

सीकाकी महत्वपूर्ण संस्थाएं अध्यक्षों,मंत्रिपरिषद् ,मध्य अमेरिकी संसद और सेंट्रल अमेरिकन कोर्ट ऑफ़ जस्टिस की बैठक हैं। राष्ट्रपतियों की बैठक सर्वोच्च अंग है ,जहाँ सदस्य देशों के अध्यक्ष क्षेत्रीय मुद्दों के समाधान के लिए वर्ष में दो बार मिलते हैं। केंद्रीय अमेरिकी संसद

(पार्लासेन)में प्रत्येक सदस्य देश के बीस प्रतिनिधि हैं,जो एकीकरण प्रक्रियाओं में मदद करते हैं। केंद्रीय अमेरिकन कोर्ट ऑफ जस्टिस तेगुसीगाल्पा प्रोटोकॉल के तहत कानूनों की व्याख्या और उनका निष्पादन करता है।

सिका ने मध्य अमेरिका फोर समझौते के माध्यम से ग्वाटेमाला,अल सल्वाडोर,होंडुरास और निकारागुआ के बीच लोगों की मुक्त आवाजाही की अनुमति प्रदान की है। सीए-4 देशों के पास एक केंद्रीय अमेरिकी पासपोर्ट है,जो कैन देशों के एंडियन पासपोर्ट के समान है। सीए -4 के चार सदस्य 1960 में बने केंद्रीय अमेरिकन आम बाजार का भी हिस्सा थे। अब सीकाके क्षेत्र में एकीकरण का मुख्य माध्यम बन जाने के बाद,वे सीए-4 के माध्यम से घनिष्ठ संबंध बनाए रखना चाहते हैं। 2009 में होंडुरन तख्तापलट के बाद,सीए-4 के अन्य तीन सदस्यों ने लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित राष्ट्रपति,मैनुअल ज़िला को अपदस्थ करने के लिए होंडुरास की अपनी सीमाएँ बंद कर दीं। होंडुरास को सिका से भी निलंबित कर दिया गया था,लेकिन 2011 में ज़िला और उसके उत्तराधिकारी,पोरिरियो लोबो के बाद फिर से जुड़ने की अनुमति दी गई,उन्होंने होंडुरास में लोकतांत्रिक प्रणाली के एकीकरण के लिए राष्ट्रीय सुलह समझौते पर हस्ताक्षर किए।

कैरीकॉम (कैरेबियाई समुदाय)

कैरेमॉम की स्थापना 1973में चौगुरामस,त्रिनिदाद की संधि द्वारा की गई थी, जो कैरिबियाई मुक्त व्यापार संघ (कारिफ्टा)को एक आम बाजार में बदलती है। इसे पूर्व में वेस्ट इंडीज फेडरेशन (डब्ल्यूआईएफ)द्वारा 1958में स्थापित किया गया था। डब्ल्यूआईएफमें अंग्रेजी बोलने वाले कैरिबियाई द्वीप समूह के दस देश शामिल थे,और यह संघ1962में भंग हो

गया था। बाद में कैरिफ्टा की स्थापना चार कैरिबियाई द्वीपों,एंटीगुआ और बारबुडा,बारबाडोस,गुयाना और त्रिनिदाद और टोबैगो द्वारा 1965 में की गई थी। बाद के वर्षों में इसमें आठ अन्य कैरेबियाई द्वीप भी शामिल हो गए। नए स्वतंत्र कैरिबियाई द्वीप कारिफ्टाके माध्यम से अपनी अर्थव्यवस्थाओं को,जिनके सभी प्रदेश अंग्रेजी भाषी थे, एकजुट करना चाहते थे। कारिफ्टाकी अपर्याप्तता,जिसने श्रम और पूंजी के मुक्त आवागमन के लिए प्रावधान नहीं किया,जिसके परिणामस्वरूप कैरिकॉमका निर्माण हुआ। वर्तमान में इसके पंद्रह सदस्य और पांच सहयोगी सदस्य हैं,जिसमें संभावी परिसंम्पत्ति भी शामिल है,और मध्य और दक्षिण अमेरिका के राज्य भी शामिल हैं।

कैरिकॉम के आवश्यक तथ्य	
जनसंख्या (2010)	17.4 मिलियन
कुल जीडीपी (2010)	56 मिलियन अमेरिकी डॉलर

स्रोत: लेखक का संकलन

यह समुदाय अनेक चुनौतियों का सामना करता है। कैरेबियाई राज्य एक समरूप समूह नहीं हैं। वे आकार,आर्थिक विकास,राजनीतिक संस्कृति और शासन क्षमताओं में एक दूसरे से भिन्न हैं। लेकिन मोटे तौर पर समान औपनिवेशिक इतिहास और स्वतंत्रता के बाद की चुनौतियों को मान्यता देने के लिए कैरिकॉमका गठन हुआ। उत्तर से संयुक्त राज्य अमेरिका,दक्षिण से दक्षिण अमेरिकी राज्य,यूरोप से पूर्व उपनिवेशवादी,चीन जैसी उभरती हुई अर्थव्यवस्थाएँ,सभी इस क्षेत्र को प्रभावित करना चाहते हैं और इसकी अर्थव्यवस्थाओं में एक प्रमुख भूमिका निभाते हैं। वैश्विक

आर्थिक मंदी के दौरान कैरिबियाई अर्थव्यवस्थाओं के प्रति बाहरी प्रभावों की संभावना स्पष्ट थी,जिसने कैरेबियाई वस्तुओं और सेवाओं की मांग को काफी कम कर दिया था। हालांकि ,इस क्षेत्र को अमेरिका और यूरोप द्वारा पर्याप्त मात्रा में सहायता प्राप्त होती है,और यहाँ पर चीन बड़े पैमाने पर निवेश करता है। इसके परिणामस्वरूप, कैरिबियाई द्वीप आसानी से उनसे प्रभावित हैं।कैरीकॉमके सदस्यों में से पाँच, चीन गणराज्य (ताइवान) के साथ राजनयिक संबंधों को पहचानते हैं और बनाए रखते हैं,जो कैरीकॉमको चीन या ताइवान के प्रति एक समान नीति रखने से रोकता है।

दूसरी ओर, कैरिबियाई क्षेत्र एक स्वतंत्र पहचान विकसित करने का इच्छुक है,जिसे प्राप्त करने के लिएयह क्षेत्रीय एकीकरण के लिए प्रयास कर रहा है। राष्ट्रमंडल देशों में प्रजातंत्रवाद बढ़ने की प्रवृत्ति है जिसका उद्देश्य ब्रिटेन के साथ प्रतीकात्मक संबंधों को समाप्त करना है। जमैका पहले से ही ब्रिटेन की रानी को जमैका में जन्मे राष्ट्रपति के साथ राज्य के प्रमुख के रूप में बदलने की योजना बना रहा है। उन्होंने महसूस किया है कि अधिक स्वतंत्रता के लिए बेहतर प्रशासन की आवश्यकता है। उस दिशा में उन्होंने कैरेबियन कोर्ट ऑफ़ जस्टिस (सीसीजे)की स्थापना भी की है। यह कैरीकॉमके लिए अपील की सर्वोच्च अदालत है,और इसका मुख्य कार्य कैरेबियाई कानून का विकास करना है,क्योंकि इस क्षेत्र में ब्रिटिश कानूनी प्रणालियों का विरोध है। हालांकि ,सदस्य देशोंद्वारा सीसीजेको अपनाया जाना बाकी है। कैरीकॉमने समुदाय से संबंधित नागरिकों की अंतरंग यात्रा को सुविधाजनक बनाने के लिए वर्ष 2005से कैरिबियाई पासपोर्ट प्रस्तुत किया है। यह 2006में कैरीकॉम एकल बाजार एवं अर्थव्यवस्था (सीएसएमई)के प्रभाव में आया,जिसका उद्देश्य वस्तुओं और सेवाओं की

मुक्त आवाजाही और एक सामान्य बाहरी शुल्क की स्थापना को बढ़ावा देना है।

कैरेबिया में एक अन्य क्षेत्रीय संगठन कैरेबियाई राष्ट्र संघ (एसीएस) है जिसका गठन 1994में किया गया था। इसमें पच्चीस सदस्य देश और कैरेबियाई बेसिन में तीन सहयोगी सदस्य शामिल हैं। इसका मुख्य उद्देश्य कैरेबियाई बेसिन में क्षेत्रीय एकीकरण को बढ़ावा देना और कैरेबियाई सागर की पर्यावरण अखंडता की रक्षा करना है। हालांकि , एसीएस इस क्षेत्र में कैरीकॉमकी तरह प्रभावी नहीं रहा है

राजनीतिक झुकावों के आधार पर

राजनीतिक झुकावों के आधार पर गठित किए गए क्षेत्रीय संगठन आल्बा एवं प्रशांत गठबंधन है।

आल्बा (*अलाएंजा बोलिवारियाना पारा लोस प्यूब्लोस डि न्यूस्ट्रा अमेरिका* अथवा हमारे अमेरिकी लोगों के लिए बोलिवेरियाई गठबंधन)

आल्बाका गठन 2004 में उस समय किया गया था,जब वेनेजुएला और क्यूबा के राष्ट्रपतियों क्रमश: ह्यूगो शावेज और फिदेल कास्त्रो ने हवाना में एक संयुक्त घोषणा पर हस्ताक्षर किए थे। उन्होंने इसकी कल्पना अमेरिका के लोगों के लिए अमेरिका के प्रायोजित मुक्त व्यापार क्षेत्र (एफटीएए) के लिए एक विकल्प प्रदान करने के लिए बोलिवेरियाईविकल्प के रूप में की थी। आल्बाके आदर्शों को दर्शाते हुए,वेनेजुएला और क्यूबा ने एक दूसरे के मध्य शुल्क और आयात शुल्क को खत्म करने के लिए एक व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए। एएलबीए के दो संस्थापक सदस्यों के बीच एक बड़ी पहल वेनेजुएला द्वारा क्यूबा के शिक्षकों और पंद्रह हजार डॉक्टरों के बदले में क्यूबा को लगभग नब्बे हजार बैरल तेल की दैनिक आपूर्ति थी। 2006 मेंबोलिविया भी वेनेजुएला और क्यूबा के साथ हो गयाऔर उन्होंने मिलकर हवाना में हमारे अमेरिका के लोगों के लिए बोलिवेरियाई विकल्प के निर्माण के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए,जिसने आल्बा - टीसीपी (ट्रेटाडो कोमिरिसो डे लॉस प्यूब्लोस या पीपुल्स ट्रेड एग्रीमेंट) के गठन को जन्म दिया। टीसीपी के अंतर्गत ये तीनों सदस्य चिकित्सा,शिक्षा,स्वदेशी समुदायों के अध्ययन,ऊर्जा और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग करते हैं।

आल्बा के आवश्यक तथ्य	
जनसंख्या (2012)	72 मिलियन
कुल जीडीपी (2010)	390 बिलियन अमेरिकी डॉलर
अंर्तसमूह व्यापार (2009)	4.3 मिलियन अमेरिकी डॉलर

स्रोत: लेखक का संकलन

2009 में आल्बाने अपना नाम वैकल्पिक से गठबंधन में बदल लिया। आल्बाका लक्ष्य एलएसीमें एक 'विशाल राष्ट्र'बनाना है और इसके एकीकरण की दिशा में काम करना है जिसकी संकल्पना पिछले नेताओं जैसे बोलिवर और मार्टी द्वारा की गई थी। इसका एक समाजवादी दृष्टिकोण है और यह बहुमत की जरूरतों को पूरा करने की मंशा रखता है,चूँकि यह एक व्यापार क्षेत्र होने के विरोधी है। पिछले दशक के अंतराल के अंत में वामपंथी नेताओं के उदन ने उन्हें कुछ कैरेबियाई देशों के साथ, आल्बामें शामिल होते हुए देखा। आल्बाका विस्तार निकारागुआ (2007 में),डोमिनिका (2008 में),इक्वाडोर,सेंट विंसेंट और ग्रेनेडाइंस,और एंटीगुआ और बारबुडा (सभी तीनों 2009 में) में शामिल हो गया। राष्ट्रपति मैनुअल ज़ेलाया के अधीन होंडुरास आल्बामें शामिल हो गए लेकिन 2009 में तख्तापलट के बाद उन्हें निष्कासित कर दिया गया।

आल्बाकी प्रमुख गतिविधियाँ विशाल राष्ट्रीय परियोजनाएंहैं,जो कि दो या दो से अधिक सदस्य देशों के बीच कार्यान्वित होने वाली सामाजिक परियोजनाएं हैं। इनमें वे कार्यक्रम शामिल हैं जो अशिक्षा,भूख और कुपोषण को मिटाने की कोशिश करते हैंऔर दूरसंचार,साहित्य,कृषि और स्वास्थ्य में सुधार लाताहै। आल्बाने अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों के प्रति आल्बा के सदस्यों को अति संवेदनशील बनाने के उद्देश्य से अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में भी पहल की है। इसने 2008 में वेनेजुएला के काराकस में इसके मुख्यालय के साथ बैंक ऑफ आल्बा (बीए) का गठन किया। बीए का उद्देश्य विशाल राष्ट्रीय परियोजनाओं और अन्य पहलों जो एलएसी में एकीकरण में मदद करेगी उनको वित्तपोषित करना है।

आल्बाने अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में डॉलर की तानाशाही को समाप्त करने के उद्देश्य से 2008 में सुक्रे (*सिस्तेमा यूनितारियो डि कंपेनसेशियन रीजनल डि पैगोसया क्षेत्रीय एकात्मक प्रणाली भुगतान की क्षेत्रीय प्रणाली*) नामक एक वैकल्पिक मुद्रा भी बनाई थी। यह एक अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा के बदले क्षेत्रीय मुद्रा का उपयोग करके क्षेत्रीय व्यापार का संचालन करना चाहता है। अभी के लिए सुक्रे,प्रति सुक्रे1.25 यूएसडी के साथ एक आभासी मुद्रा है। 2010 में,वेनेजुएला और इक्वाडोर ने सुक्रे का उपयोग करके अपने प्रथमद्विपक्षीय व्यापार का संचालन किया। 2010 और 2011 में,नई मुद्रा में व्यापार क्रमश: 10 मिलियन सुक्रेज़ (12 मिलियन डॉलर) और 216 मिलियन सूक्रेज़ (250 मिलियन डॉलर) था।

वेनेजुएला द्वारा की गई एक और महत्वपूर्ण पहल, जिसमें एएलबीए के अधिकांश सदस्य और अधिकांश कैरेबियाई राज्य शामिल हैं वहपेट्रोकारिबे (तेल गठबंधन) है। यह 2005 में चौदह कैरेबियाई देशों के बीच ऊर्जा सहयोग समझौते के रूप में स्थापित किया गया थाऔर वर्तमान में इसकी सदस्य संख्या अठारह है। पेट्रोकारिबे के माध्यम से,वेनेजुएला का लक्ष्य अपने सदस्य देशों को प्राथमिकता भुगतान शर्तों पर तेल बेचकर ऊर्जा सुरक्षा प्रदान करना है। यह बहुत कम ब्याज दरों पर और विशेष परिस्थितियों में सामान और सेवाओं के रूप में भी भुगतान करने की अनुमति देता है।

प्रशांत गठबंधन(ला अलाएंजा डेल पैसीजिको)

प्रशांत गठबंधन का गठन चिली , कोलंबिया, मैक्सिको और पेरू ने 2012 में चिली के एंटोफगास्टा में परानल आब्जरवेटरी में फ्रेमवर्क समझौते पर हस्ताक्षर करके किया था। यह एक व्यापार क्षेत्र है जो

एकीकरण चाहता है जो माल,सेवाओं,निवेश और लोगों के मुक्त आवागमन की अनुमति देता है। कोस्टा रिका,पनामा और उरुग्वे,जो वर्तमान में पर्यवेक्षकों का दर्जा रखते हैं,ने भी नए क्षेत्र में शामिल होने में रुचि व्यक्त की है। प्रशांत गठबंधन की अवधारणा 2011में पेरू के तत्कालीन राष्ट्रपति एलन गार्सिया द्वारा की गई थी। हालांकि , उन्हें ओलांता हुमाला ने पदस्थापित कर दिया था,जो परंपरागत रूप से वामपंथी राजनीतिक दल से संबंधित हैं,लेकिन इसने गठबंधन में पेरू की भागीदारी को प्रभावित नहीं किया। संयोग से,अन्य तीन सदस्य देशों के अध्यक्ष केंद्र राजनीतिक दलों के अधिकार से आते हैं। ब्लॉक की कुल आबादी दो सौ मिलियन से अधिक है।

गठबंधन के चार सदस्य, चूंकि वे लैटिन अमेरिका की अधिक खुली अर्थव्यवस्था हैं इसलिएसमान हैं। चिली और मेक्सिको में दुनिया के अन्य देशों के साथ एफटीए की अधिकतम संख्या है,और कोलंबिया और पेरू भी इसी रास्ते पर हैं। सभी चारों के एफटीए, अमेरिका के साथ हैं। चूंकि प्रशांत गठबंधन का उद्देश्य एशिया प्रशांत क्षेत्र के साथ व्यापार संबंधों को बढ़ाना भी है,इसलिए यह आसियान (दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के संघ) के साथ एक एफटीए हस्ताक्षरित करने की योजना बना रहा है। चिली और पेरू पूर्व में ही हस्ताक्षर कर चुके हैं,जबकि कोलंबिया और मैक्सिको चीन,जापान और कोरिया के साथ एफटीए पर हस्ताक्षर करने की प्रक्रिया में हैं। चिली,मैक्सिको और पेरू एपैक (एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग) के सदस्य हैं। चिली और मेक्सिको भी ओईसीडी (आर्थिक सहयोग और विकास संगठन) के सदस्य हैं। कोलंबिया ने दोनों आर्थिक संगठनों की सदस्यता के लिए आवेदन किया है। लीमा,पेरू के स्टॉक एक्सचेंज;बोगोटा,कोलम्बिया;और

सैंटियागो,चिली को 2011में एक एकीकृत एक्सचेंज मिला (*मर्काडो इंटेग्राडो लैटिनोअमेरिकानो*या लैटिन अमेरिकी एकीकृत बाजार) बनाने के लिए विलय कर दिया गया था। मेक्सिको के मुख्य स्टॉक एक्सचेंज को भी जल्द ही इसमें शामिल होने की उम्मीद है।

आर्थिक दायित्वों के अलावा प्रशांत गठबंधन को राजनीतिक कार्यसूची अर्थात् आल्बाऔर मर्कोसुर को असंतुलित करने के रूप मेंभी देखा जाता है। मर्कोसुर ने उन देशों को पूर्ण सदस्य बनने से बाहर कर दिया जिन्होंने तीसरे पक्षों अर्थात्संयुक्त राज्य अमेरिका,यूरोपीय संघ या चीन के साथ एफटीए पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके परिणामस्वरूप,प्रशांत गठबंधन के सदस्य व्यापार क्षेत्र में शामिल नहीं हो सकते थे। यह मानते हुए कि उनके पास एक समान आर्थिक नीति है,उन्होंने मर्कोसुर,जो अपने आंतरिक विरोधाभासों से जूझ रहा है उसकी तुलना में अधिक त्वरित आर्थिक गति का अनुसरण करने में सक्षम होने पर जोर दिया। इस गठबंधन के विषय में माना जाता है कि वह महाद्वीप में,विशेष रूप से बहुपक्षीय संगठनों में ब्राजील के प्रभुत्व को कमजोर करने की कोशिश कर रहा है। ब्राजील ने मर्कोसुर, यूनासुर (*यूनिअन डि नैसिओन्स सुरअमेरिकानास* या दक्षिण अमेरिकी राष्ट्र संघ) तथा सेलाक (*कम्यूनिडैड डि इस्टाडोस लैटिनोमेरिकानोस वाइ कैरिनाइनोस*या लैटिन अमेरिकी और कैरिबियाई देशों का समुदाय)के गठन में सक्रिय रूप से भाग लिया है येऐसे संगठन हैं जो अमेरिका की भागीदारी के पक्षधर हैं। ब्राजील ने भी एफटीएएबनाने के अमेरिकी प्रस्ताव का विरोध किया है।

संपूर्ण अथवा अधिकांश एलएसी को शामिल करना

वह क्षेत्रीय संगठन जो पूरे या अधिकांश एलएसी को शामिल करते हैं,वे दक्षिण अमेरिकी राष्ट्र संघ और लैटिन अमेरिकी और कैरिबियन देशों के समुदाय हैं।

यूनासुर (*यूनिअन डि नेशिओन्श सुरामेरिकानास* अथवा दक्षिण अमेरिकी देशों का संघ)

यूनासुरका गठन दक्षिण अमेरिका के बारह स्वतंत्र देशों द्वारा ब्रासीलिया में 2008 में संवैधानिक समझौते पर हस्ताक्षर करके किया गया था। हालांकि,इसका प्रारंभ 2004 में किया गया था। यूनासुरदक्षिण अमेरिकी महाद्वीप में दो सीमा शुल्क यूनियनों अर्थात् कैनऔर मर्कासुरका एक संघ है। दो व्यापार क्षेत्रों के सदस्य देशों के अलावा,चिली,सूरीनाम और गुयाना भी यूनासुरका हिस्सा हैं। यूनासुरका उद्देश्य दक्षिण अमेरिकी राजनीतिक,सामाजिक और आर्थिक एकीकरण और लोकतंत्र,शिक्षा,ऊर्जा,पर्यावरण,बुनियादी ढांचे और सुरक्षा जैसे मुद्दों पर काम करना है। इक्वाडोर के क्विटो स्थित अपने मुख्यालय के साथ,यह एक दक्षिण अमेरिकी बाजार का निर्माण करने की इच्छा रखता है तथा इसकी एक आम मुद्रा है। इसे यूरोपीय संघ के बाद निर्मित किया गया है।

यूनासुर के आवश्यक तथ्य	
जनसंख्या (2011)	392 मिलियन
प्रतिव्यक्ति जीडीपी (2011)	11,962 अमेरिकी डॉलर
अंर्तसमूह व्यापार (2011)	120 बिलियन अमेरिकी डॉलर

स्रोत: लेखक द्वारा संकलित

यह देश और सरकार के प्रमुखों,विदेश मामलों के मंत्रियों की परिषद्,प्रतिनिधि परिषद् और सामान्य सचिवालय जैसे अंगों के साथएक अंतर्राष्ट्रीय इकाई बन गई है। राज्य और सरकार के प्रमुखों की समिति यूनासुरका सर्वोच्च अंग है,और राजनीतिक दिशानिर्देशों और कार्य योजनाओं की स्थापना के लिए उत्तरदायी है। विदेश मामलों के लिए मंत्रिपरिषद्, उपर्युक्त परिषद् के प्रस्तावों को अपनाने और लागू करने के लिए जिम्मेदार है। प्रतिनिधि परिषद्, विदेश मंत्रियों की चर्चा और बैठकों के लिए कार्यसूची तैयार करती है। आम सचिवालय, यूनासुरके अंगों द्वारा प्रस्तुत शासनादेशों के निष्पादन के लिए जिम्मेदार है।

यूनासुर की मुख्य पहलों में दक्षिणी बैंक (*बैंको डेल सुर*), दक्षिणी अमेरिका में क्षेत्रीय ढांचे के एकीकरण की पहल (*इनीशिएटिवा पारा तो इंटेग्रेशियन डि ला इंफ्रास्ट्रक्टरा रीजनल सूरामेरिकाना* अथवा आईआईआरएसए), तथा दक्षिण अमेरिकी रक्षा परिषद् (*कोन्सेजो डि डेफेन्सा सुरामेरिकाना* अथवा सीडीएस) शामिल हैं। दक्षिण बैंक का गठन 2009 में अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों का विरोध करने और क्षेत्रीय बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का समर्थन करने वाले क्षेत्रीय बैंक के गठन के लिए किया गया था। इसका उद्देश्य 20 बिलियन डॉलर की प्रारंभिक पूंजी एकत्र करना; जिसमें से पहले 7 बिलियन डॉलर का योगदान सदस्य देशों द्वारा निम्नलिखित क्रम में किया जा रहा है। वेनेजुएला,अर्जेंटीना और ब्राजील प्रत्येक में 2 बिलियन डॉलर का योगदान दे रहे हैं ; इक्वाडोर और उरुग्वे प्रत्येक400 मिलियनडॉलर ; और पैराग्वे और बोलीविया प्रत्येक 100 मिलियन डॉलर हैं। हालांकि,आईएमएफ,विश्व बैंक और आईडीबी के विपरीत, प्रत्येक देश को बैंक के लिए योगदान की गई राशि के बावजूद एक वोट का

अधिकार होगा। इसके परिचालन की अगले साल तक प्रारंभ होने की उम्मीद है। आईआईआरएसएकी कल्पना 2000 में की गई थीऔर इसका उद्देश्य यूनासुरसदस्यों के भौतिक एकीकरण को प्राप्त करने के लिए क्षेत्रीय बुनियादी ढांचे के विकास को बढ़ावा देना था। आईआईआरएसएदक्षिण अमेरिका की एक संभावित एकल क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था, जो वैश्विक बाजार में उतार-चढ़ाव का विरोध कर सकता है, के रूप में मान्यता से प्रेरणा लेता है। सीडीएस एक ब्राजील की पहल थी,और इसका गठन 2008 में दक्षिण अमेरिका में स्वतंत्रता,संप्रभुता और शांति के क्षेत्र का निर्माण करने के उद्देश्य से किया गया था। रक्षा से अधिक लोकतांत्रिक और संवैधानिक संस्थानों की व्यापकता की गारंटी देने के अलावा,इसका उद्देश्य महाद्वीप में रक्षा और सशस्त्र बलों का आधुनिकीकरण करना है।

यूनासुरमहाद्वीप में राजनीतिक संकटों को हल करने में एक प्रमुख भूमिका निभाता है। उदाहरण के लिए,चिली और बोलीविया के एक विवादित क्षेत्र में एक दूसरे के साथ राजनयिक संबंध नहीं हैं,लेकिन वे यूनासुरके अधीन एक साथ हो गए। जब बोलीविया के राष्ट्रपति इवो मोरालेस का हिंसक विरोध हुआ और 2008 में उन्हें हटाने का प्रयास किया गया,तो यूनासुरइस पदाधिकारी के समर्थन में सामने आए और धमकी दी कि वह अवैध रूप से गठित किसी भी सरकार को मान्यता न दे। 2010 में जब एफएआरसी के सवाल पर वेनेजुएला और कोलंबिया के बीचतनाव अधिक थाऔर वे युद्ध में जाने की कगार पर थे तो यूनासुरने हस्तक्षेप किया और दोनों देशों के प्रमुखों के गुस्से को शांत कर दिया। जब विकिलीक्स के संस्थापक,जूलियन असांजे को राजनयिक शरण के प्रावधान

को लेकर इक्वाडोर और ब्रिटेन के बीच एक राजनयिक गतिरोध था,तो यूनासुरअपने विदेश मंत्रियों की बैठक के बाद एंडियन देश के समर्थन में सामने आया था।

सेलाक (*कम्यूनिडैड डि इस्टाडोस लैटिनोमेरिकानोस* अथवा लैटिन अमेरिकियों एवं कैरेबियाई देशों का समुदाय)

सेलाककी स्थापना 2011 में वेनेजुएला के कराकास में की गई थी,जब एलएसीके तैंतीस स्वतंत्र देशों के राष्ट्राध्यक्षों और शासनाध्यक्षों ने सबसे व्यापक सर्व-क्षेत्रीय संगठन का गठन एक बैठक में शामिल होकर किया। यह अपने में संयुक्त राज्य अमेरिका,कनाडा,साथ ही पश्चिमी गोलार्ध में संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोपीय राज्यों के विदेशी क्षेत्रों को शामिल नहीं करता है। यह धीरे-धीरे वैश्विक मंच पर इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने में ओएएसका उत्तराधिकारी बन रहा है। सेलाककी अवधारणा रियो ग्रुप में की गई थी-काल्क (कुम्ब्रे डि अमेरिका लैटिना वाइ एल कैरीब सोब्रे इंटेग्रैसिओन वाइ डेसारोल्लो अथवा एकीकरण और विकास पर लैटिन अमेरिकी और कैरेबियाई सम्मेलन)2010 में मैक्सिको में बैठक हुई,जब क्षेत्र के नेताओं ने इस दो को समेटते हुए एक नया संगठन बनाने का प्रस्ताव रखा।

रियो ग्रुप का गठन रियो डी जनेरियो,ब्राजील में 1986 में आठ दक्षिण अमेरिकी और मध्य अमेरिकी देशों के रूप में किया गया था,जिन्हें कॉनटैडोरा समूह और कॉनटैडोरा सपोर्ट ग्रुप के नाम से जाना जाता है जिसका गठन अमेरिका के वर्चस्व वाले ओएएसके प्रति असंतुलन के रूप में माना जाता है। संघर्षग्रस्त मध्य अमेरिका में शांति लाने के लिए कॉनडाडोरा समूह का गठन किया गया था। उन्होंने देशों के लोकतंत्र और

संप्रभुता को बढ़ावा देने के लिए राजनीतिक संवाद और सहयोग के लिए एक क्षेत्रीय प्रणाली का निर्माण करने की आवश्यकता महसूस की। परिणामस्वरूप,रियो समूह का गठन किया गया और बाद में चौबीस देशों की सदस्यता के साथ विस्तार किया गया। इसने एक चलनशील अस्थायी प्रेसीडेंसी के माध्यम से काम कियाऔर राज्य के प्रमुखों और सदस्य देशों की सरकार की आवधिक बैठकों को संस्थागत रूप दिया। इसने अंतर्राष्ट्रीय मंचों जैसे संयुक्त राष्ट्र महासभा और यूरोपीय संघ जैसे अन्य क्षेत्रीय ब्लाकों के साथ इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया।

एलएसीमें तैंतीस स्वतंत्र देशों द्वारा गठित पहला काल्क,ब्राजील में 2008में हुआ। शिखर सम्मेलन का उद्देश्य एकीकरण की प्रक्रिया को आगे बढ़ाना और एलएसी के प्रगति को मजबूत करना था। दूसरा शिखर सम्मेलन मैक्सिको में रियो समूह के साथ हुआ,जहां एकीकरण के लिए एक बड़ा समर्थन था। और फिर रियो ग्रुप और काल्क को काराकस में आयोजित सेलॉकके पहले शिखर सम्मेलन में शामिल कर दिया गया। सेलाकके गठन ने यह संदेश दिया कि लैटिन अमेरिका ने संयुक्त राज्य अमेरिका के 'गलियारा'होने से मना कर दिया।

एलएसी देशों के राजनीतिक विचारों और ब्लॉक गठन में अंतर के बावजूद,यह काफी स्पष्ट है कि वे अपने लिए एक पहचान बनाना चाहते हैं। साथ ही एलएसीमें गंभीर मुद्दों को हल करने के लिए जैसे नशीले पदार्थों की तस्करी और संगठित अपराधवे एक साथ काम करने की आवश्यकता को पहचानते हैं। एलएसीमें नया क्षेत्रीय आदेश अपने सदस्य देशों के बीच सहयोग को प्राथमिकता देता है , चाहे उनकी राजनीति या इतिहास कुछ भी हो। यह क्षेत्र की उत्साही भागीदारी से स्पष्ट था पहले

शिखर सेलॉक सम्मेलन में नेता,चरम बाएं से अत्यधिक दाहिने राजनीतिक दलों तक फैले हुए थे। उदाहरण के लिए,सेलॉक, ट्रोइका वेनेजुएला,चिली और क्यूबा से बना हैजिसमें चिली अब सर्व-अस्थायी प्रेसीडेंसी धारण किए हुए है। सेलॉककी प्रक्रिया के क़ानून को संयुक्त रूप से चिली और वेनेजुएला द्वारा तैयार किया गया था। एलएसी में होने वाले हर तख्तापलट की दूसरे देशों द्वारा निंदा की जाती है , कभी-कभी कूटनीतिक संबंधों को समाप्त करने तक, लेकिन इसके तुरंत बाद,उत्तराधिकारियों के साथ जुड़ने का प्रयास किया जाता है। सेलॉकने कोका पत्ती को चबाने के समर्थन में एक बयान भी जारी किया, जिसमें बोलीविया में स्वदेशी आबादी का एक सांस्कृतिक और पैतृक अभ्यास होता है; और जिसे संयुक्त राष्ट्र ने अवैध पदार्थ के रूप में प्रतिबंधित कर दिया था।

सेलॉकका उद्देश्य क्षेत्रीय एकीकरण को बढ़ावा देना,क्षेत्रीय स्तर पर नीतियों के समन्वय और संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ एक अधिक संतुलित संवाद स्थापित करना है। इसका एक अन्य उद्देश्य अन्य क्षेत्रीय समूहों के लिए एक आवरणसंगठन बनना है। इसका अपना कोई संस्थान नहीं है,लेकिन यह सर्व-अस्थायी प्रेसीडेंसी के माध्यम से काम करता है। वैश्विक स्तर पर,समुदाय एक बहु-ध्रुवीय दुनिया निर्माण की इच्छा रखता है। सीईएलएसी ट्रोइका ने इस साल अगस्त में भारत और चीन जैसी उभरती शक्तियों का दौरा किया और एशियाई देशों के साथ राजनयिक और रणनीतिक संबंधों को मजबूत किया। एलएसी ब्लॉक और एशियाई लोग जलवायु परिवर्तन जैसे वैश्विक मुद्दों और संयुक्त राष्ट्र के सुधारों पर एक साथ काम करने के लिए सहमत हुए। सेलॉकखुद को आम फ्रंट और एलएसी की आवाज़ के रूप में प्रस्तुत करता है।

निष्कर्ष

लैटिन अमेरिका में एकीकरण की पहली अवधारणा के विषय की सोच को लगभग दो शताब्दियों बीत चुकी हैं। एकीकरण की प्रक्रिया द्वारा की प्रगति का आकलन, इसकीउपलब्धियों की तुलना इसके द्वारा प्रारंभ में अपने लिए निर्धारित किये गये लक्ष्यों से तुलना कर की जा सकती है। लैटिन अमेरिकी क्षेत्रीय एकीकरण के दूरदर्शी,साइमन बोलिवर ने लैटिन अमेरिका में राष्ट्रों के एक संघ के गठन की आशा की थी, जो कि वास्तविकता से बहुत दूर है। उनकी उभयचर निकाय या प्लेनिपोटेंटियरीज के गठन की दूसरी योजना एक ऐसे संगठन का निर्माण करने की है जो पूरे क्षेत्र के साझा हितों का प्रतिनिधित्व करती है जो किपहले रियो समूह द्वारा और बाद में अभी भी नवनिर्मितसेलॉक द्वारा। ये दोनों क्षेत्रीय संगठन एलएसी के लिए एक आम मोर्चा रहाहै और इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि उनके पास देशोंऔर सरकारों के प्रमुखों की संस्थागत बैठकें होती हैं,जो क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा और समाधान खोजने की सुविधा प्रदान करती हैं।

ओएएसअब तक बनाया गया पहला अमेरिकी-समर्थित मंच था और इसका एक प्रमुख उद्देश्य क्षेत्र में लोकतंत्र को बढ़ावा देना था। शीत युद्ध की अवधि में निर्मित होने के बाद, इसने मुख्य रूप से पश्चिमी गोलार्ध में सामुदायिकों द्वारा सत्ता के प्रभावशाली अधिग्रहण पर नज़र रखने की कोशिश की। लेकिन लोकतंत्र को बनाए रखने में इसकी भूमिका सवालों के घेरे में आ गई जब यह बीसवीं सदी के उत्तरार्ध के दौरान इस क्षेत्र में सैन्य तानाशाही के लिए दर्शक बना रहा। एक अन्य प्रमुख आलोचना जिसका ओएएस को सामना करना पड़ता है वह यह हैकि इस पर अमेरिका का प्रभुत्व है,इसने क्षेत्रीय संगठनों के गठन का नेतृत्व किया है जो अमेरिका

को छोड़ते हुए कनाड़ा तक विस्तृत है। लैटिन अमेरिकी देशों के उदय और सापेक्षत:क्षेत्र में संयुक्त राज्य अमेरिका की शक्ति में कमी के साथ,ओएएसअपना जनाधार खोता हुआ प्रतीत होता है। दूसरी ओर जैसे कि युनासुरऔर सेलॉकतेजी से अग्रणी निर्णय निर्माता बन रहे हैं।

उप क्षेत्रीय संगठनों जैसे कि कैन, मर्कासुर, सीका और कैरीकॉमका लक्ष्य काफी हद तकआर्थिक प्रकृति का था। वे एक साझा बाजार के साथ सामान एवंलोगों और पूंजी के मुक्त प्रवाह को बढ़ावा देते हुए सीमा शुल्क संघों के बनने की इच्छा रखते हैं। मर्कोसुर को छोड़कर,बाकी सभी अपने संबंधित क्षेत्रीय पारपत्रों का उपयोग करने में कामयाब रहे हैं। कैन और मर्कासुरने सीमा शुल्क यूनियनों की स्थापना कर ली है जबकि सीका और कैरीकॉमअभी भी अपने आम बाजारों को मजबूत करने की प्रक्रिया में हैं। एकीकरण भी आंतरिक समस्याओं जैसे कि व्यापार समझौतों में गड़बड़ी,एकतरफा कदम या उनके प्राकृतिक समर्थन में अंतर से बाधित है। एलएसी में दाएं-बाएं का विभाजन उपरोक्त क्षेत्रीय संगठनों को करीब से देखने से काफी स्पष्ट हो जाता है। एक ऐसे कदम में,जो उन्हें वैचारिक संघर्ष से बचने की अनुमति देता है,उन्होंने अन्य देशोंजिनकी समान वैचारिक प्रवृत्तियाँ हैं, जैसे आल्बा और प्रशांत गठबंधन जैसे संगठन बनाए हैं।

आल्बा को एफटीएए का एक विकल्प प्रदान करने के लिये और राजनीतिक,सामाजिक और आर्थिक स्तरों पर एलएसी को एकीकृत करने के लिए निर्धारित किया गया है। इसने सफलता हासिल की है, लेकिन केवल भौगोलिक रूप से सीमित उस क्षेत्र में,जिसका नेतृत्व वामपंथी नेताओं ने किया है। एलएसी के अन्य क्षेत्रों में अभी भी विशाल आल्बापरियोजना की

पहचान होनी शेष है। प्रशांत गठबंधन केवल महीने पुराना है,और मेक्सिको ने पहले ही गठबंधन के सदस्यों चिली,कोलंबिया और पेरू के लिए वीजा की आवश्यकता को निलंबित कर दिया है। मर्कोसुर से निलंबन के बाद पराग्वे तथा राष्ट्रपति फर्नांडो लुगो के खिलाफ तख्तापलट के बाद युनासुरसे निलंबन के बाद माना जा रहा है किप्रशांत गठबंधन में शामिल होने के लिए उत्सुक है,यह देखते हुए कि गठबंधन के सदस्य क्षेत्र के केंद्र-वाम नेताओं के विपरीत,इसे अब तक हाशिए पर रखने के बारे में सतर्क नहीं हैं। इसी बीच,बोलीविया ने मर्कासुरका पूर्ण सदस्य बनने के लिए आवेदन किया है,जो यह दर्शाता है कि वैचारिक प्रवृत्ति देशों के आर्थिक फैसलों को प्रभावित कर रही है।

इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि एक पहल के अंतर्गत जो कि एलएसी देशों को वैचारिक विवादों के बावजूद एक साथ काम करने की अनुमति देता है,उन्होंने पूरे गोलार्ध में दक्षिण अमेरिका और सीईएलएसी में युनासुरका गठन किया। अपने अस्तित्व के चार वर्षों में, युनासुरने दक्षिण अमेरिकी एकीकरण प्रक्रिया की गैर विचारधारा के एक सचेत प्रयास के माध्यम से,विश्वास के साथ कार्य करने और क्षेत्रीय मुद्दों पर महत्वपूर्ण रुख अपनाने में कामयाबी हासिल की है। लेकिन दक्षिण अमेरिकी आम बाजार, साउथ बैंक और दक्षिण अमेरिकी मुद्रा के वास्तव में प्रभावी हो पाने में अभी लंबा रास्ता तय किया जाना बाकी है।सेलॉककिसी भी विदेशी हस्तक्षेप के, क्षेत्र की चुनौतियों से निपटने के लिए अब तक का सबसे व्यापक प्रयास है। क्षेत्रीय सहयोग को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम में,सेबेस्टियन पिनेरा और ह्यूगो शावेज, क्रमश: चिली और वेनेजुएला के अध्यक्षों,क्षेत्र में वैचारिक विभाजन के चरम के प्रतिनिधियों ने

घोषणा की कि वे अपने राजनीतिक झुकावों के मतभेदों के बावजूद एक-दूसरे का सहयोग करेंगे। यह एलएसीमें क्षेत्रीय एकीकरण के सकारात्मक विकास के लिए सबसे आशाजनक संकेत है।

समाप्ति टिप्पणी

1. अर्जेंटीना, बोलीविया, ब्राजील, चिली, कोलंबिया, इक्वाडोर, गुयाना, पैराग्वे, पेरू, सूरीनाम, उरुग्वे, और वेनेजुएला

2. बेलीज, कोस्टा रिका, अल साल्वाडोर, ग्वाटेमाला, होंडुरास, मेक्सिको, निकारागुआ और पनामा

3. एंटीगुआ और बारबुडा , बहामा, बारबाडोस, क्यूबा, डोमिनिका, डोमिनिकन गणराज्य, ग्रेनाडा, हैती, जमैका, सेंट किट्स और नेविस, सेंट लूसिया, सेंट विंसेंट और ग्रेनेडाइंस, और त्रिनिदाद और टोबैगो

4. एंगुइला, ब्रिटिश वर्जिन आइलैंड्स, केमैन आइलैंड्स, मोंटसेराट, और कैरिबियन में तुर्क और कैकोस द्वीप; उत्तरी अटलांटिक महासागर में बरमूडा; और दक्षिण अटलांटिक महासागर में फॉकलैंड द्वीप

5. अरुबा, बोनेयर, कुराकाओ, सबा, सेंट यूस्टैटियस और सिंट मैरटेन

6. ग्वाडेलूप, फ्रेंच गुयाना, मार्टिनिक, सेंट मार्टिन और सेंट बार्थेलेमी

7. नवसा द्वीप, प्यूर्टो रिको, और अमेरिका वर्जिन आइलैंड्स

8. अर्जेंटीना, बोलीविया, चिली, कोलंबिया, कोस्टा रिका , क्यूबा, डोमिनिकन गणराज्य, अल साल्वाडोर, इक्वाडोर, ग्वाटेमाला, होंडुरा, मेक्सिको, निकारागुआ, पनामा, पैराग्वे, पेरू, उरुग्वे, और वेनेजुएला

9. एंटीगुआ और बारबुडा, बहामा, बारबाडोस, बेलीज, डोमिनिका, ग्रेनाडा, गुयाना, जमैका, सेंट किट्स और नेविस , सेंट लूसिया, सेंट विंसेंट और ग्रेनेडाइंस, और त्रिनिदाद एंड टोबैगो

10. http://www.ecolatino.ch/index.php?option=com_content&vie

w=arti cle&id=68:quechua-lengua-oicial-de-los-andes&catid=40:reportaje &Itemid=66

11. “अयमरालैंग्वेजफैमिली” और “फैमिलिया डी लेंगुआ एमारा ” http://www.sorosoro.org/es/familia-de-lengua-aimara

12. “इंडिजेनसलैंग्वेजेजइनलैटिनअमेरिका” http://www.yachana.org/research/oxford_langs.html

13. मैड्रिगल, लोरेना.*ह्यूमनबायोलॉजीऑफएफ्रो-कैरीबीयनपॉपुलेशन्स*.कैंब्रिज विश्वविद्यालय प्रेस, 2006.

14. “द आईडीबीएंडइंडिजेनसपेओप्लेस”, http://www.iadb.org/en/topics/gender-and-diversity/indigenous-peoples,2605.html

15. *ईसीएलएसीस्टैटिस्टिकलएअरबुकफॉरलैटिनअमेरिकाएंडदकॅरीबीयन, 2011* से

16. प्रवासी भारतीय मामलों के मंत्रालय की रिपोर्ट , http://moia.gov.in/pdf/ Guyana.pdf

17. प्रवासी भारतीय मामलों के मंत्रालय की रिपोर्ट , http://moia.gov.in/pdf/ Trinidad%20&%20Tobago.pdf

18. प्रवासी भारतीय मामलों के मंत्रालय की रिपोर्ट , http://moia.gov.in/pdf/ Suriname.pdf

19. “लास्टिंगलिगेसीऑफब्राज़ीलजापानीज”, 17.06.2008, बीबीसी न्यूज़ , http://news.bbc.co.uk/2/hi/americas/7459448.stm

20. “दजापानीजपेरुवीयन्स”, 04.02.2010, http://sonrisasenperu.org/2010/02/the-japanese-peruvians/

21. “एक्सहिबिशनरेवेल्सचिनेसेलिगेसीइनपेरू”, 07.12.2009, पीपल्स डेली, http://english.people.com.cn/90001/90782/90873/6834180.html

22. विलियमसन, एडविन. *द पेंगुइन हिस्ट्री ऑफ लैटिन अमेरिका* . इंगलैड पेगुइन बुक्स, 2009

23. “एक्टऑफइंडिपेंडेंस”, 01.01.1804, http://www.marxists.org/history/haiti/1804/liberty-or-death.htm

24. भोजवानी, दीपक. “रीजनलइंटीग्रेशनइनलैटिनअमेरिकाएंडद कैरीबीयन”, जून 2012, *विश्व मामलों की भारतीय परिषद्* , http://www.icwa.in/pdfs/commentaryregional.pdf

25. व्हिटिंगटन, लियाम. “कमिंगटुगेदरटूस्ट्राइकआउटऑन देयरओन? चैलेंजेज, चेंज, एंडकोलोनियललिगेसीइनद कॅरीबीयन”, 06.11.2011,*कॉउन्सिलऑनहेमीस्फेरिकअफेयर्स*, http://www.coha.org/coming-together-to-strike-out-on-their-own-challenges-change-and-colonial-legacy-in-the-caribbean/

26. विलियमसन, एडविन. *द पेंगुइन हिस्ट्री ऑफ लैटिन अमेरिका*. इंगलैड पेगुइन बुक्स, 2009

27. ह्यूटन, जुआन और बेवर्ली बेल . “इंडिजेनसमूवमेंट्सइनलैटिनअमेरिका”, 2004, http://www.otherworldsarepossible.org/sites/default/iles/documents/Indigenous_Movements.pdf

28. विलियमसन, एडविन. *द पेंगुइन हिस्ट्री ऑफ लैटिन अमेरिका*. इंगलैड पेगुइन बुक्स, 2009

29. चोमस्की, नोम. *हेजेमनीऔरसर्वाइवल : अमेरिकाक्वेस्टफॉरग्लोबलडोमिनेन्स*.ऑस्ट्रेलिया: एलन और अनविन , 2007.

30. विलियमसन, एडविन. *द पेंगुइन हिस्ट्री ऑफ लैटिन अमेरिका*. इंगलैड पेगुइन बुक्स, 2009.

31. पूर्वोक्त

32. रॉस, जेनिफर एन. “द चेंजिंगरोलऑफ द मिलिट्रीइनलैटिनअमेरिका”, नवम्बर 2004, *कैनेडियनफाउंडेशनफॉर द अमेरिकास*, http://www.focal.ca/pdf/security_Ross_changing%20role%20 military%20Latin%20America_November%202004_FPP-04-11. pdf

33. भोजवानी, दीपक. “करंटएंडइमर्जिंगट्रेंड्सइनलैटिनअमेरिकाएंडदकैरीबीयन”, 29.06.2012, *गेटवे हाउस* , *इंडियनकॉउन्सिलऑनग्लोबलरिलेशन्स*, http://www.gatewayhouse.in/publication/gateway-house/ambassadors%E2%80%99-views/current-and-

emerging- trends-latin-america-and-caribbean

34. चोमस्की, नोम. “कॉप्स,उनासुर, एंडद यू .एस.”, अक्तूबर 2009, http://www.chomsky.info/articles/200910--.htm

35. लिस्कानो, अलीरियो.*बोलिवर: थ्रीप्रोइल्स* .नई दिल्ली: भारत में वेनेजुएला का दूतावास, 2008

36. पूर्वोक्त

37. बोलिवर, सिमोन और सिमोन कोलियर . “नेशनलिटी, नेशनलिस्म, एंडसुपरनेशनलिस्मइन द राइटिंगऑफ सिमोन बोलिवर ”*द हिस्पैनिकअमेरिकनहिस्टोरिकलरिव्यु*, खंड 63 अंक 1, पृष्ठ 37-64, फरवरी 1983

38. पूर्वोक्त

39. वर्तमान दिन पेरू और बोलीविया

40. वर्तमान दिन कोलंबिया , इक्वाडोर, वेनेजुएला, पनामा और पेरू , ब्राजील, कोस्टा रिका और निकारागुआ के कुछ हिस्सों

41. वर्तमान दिन अल साल्वाडोर , निकारागुआ, कोस्टा रिका, ग्वाटेमाला, और होंडुरा

42. मोटे तौर पर वर्तमान दिन अर्जेंटीना , उरुग्वे, पैराग्वे, और बोलीविया के कुछ हिस्सों

43. बोलिवर, सिमोन और सिमोन कोलियर . “नेशनलिटी, नेशनलिस्म, एंडसुपरनेशनलिस्मइन द राइटिंगऑफसिमोनबोलिवर”*द हिस्पैनिकअमेरिकनहिस्टोरिकलरिव्यु*,खंड 63 अंक 1, पृष्ठ 37-64,

फरवरी1983

44. वर्तमान दिन कोलंबिया

45. मार्टी, जोस और फिलिप एस फोनर . *अवरअमेरिका : राइटिंगऑनलैटिनअमेरिकाएंडदस्ट्रगलफॉरक्यूबाइंडिपेंडेंस.* मंथलीरिव्युप्रेस, 1977.

46. कास्त्रो, फिदेल. “हिस्ट्रीविलअब्सोलवमी”, 2001, http://www.marxists.org/history/cuba/archive/castro/1953/10/16.htm

47. भोजवानी, दीपक. “रीजनलइंटीग्रेशनइनलैटिनअमेरिकाएंडद कैरीबीयन”, जून 2012, *इंडियन कॉउन्सिल ऑफ वर्ल्ड अफेयर्स* , http://www.icwa.in/pdfs/commentaryregional.pdf

48. विलियमसन, एडविन. *द पेंगुइन हिस्ट्री ऑफ लैटिन अमेरिका.*इंग्लैंड:पेंगुइनबुक्स, 2009.

49. भोजवानी, दीपक. “करंटएंडइमर्जिंगट्रेंड्सइनलैटिनअमेरिकाएंडदकैरीबीयन”, 29.06.2012, *गेटवे हाउस , इंडियनकॉउन्सिलऑनग्लोबलरिलेशन्स*, http://www.gatewayhouse.in/publication/gateway-house/ambassadors%E2%80%99-views/current-and-emerging- trends-latin-america-and-caribbean

50. अर्जेंटीना, बोलीविया, ब्राजील, चिली, कोलंबिया, क्यूबा, इक्वाडोर, मेक्सिको, पनामा, पैराग्वे, पेरू, उरुग्वे, और वेनेजुएला

51. भोजवानी, दीपक. “रीजनलइंटीग्रेशनइनलैटिनअमेरिकाएंडद कैरीबीयन”,

जून 2012, *इंडियन कॉउन्सिल ऑफ वर्ल्ड अफेयर्स* , http://www.icwa.in/pdfs/commentaryregional.pdf

52. “चिलीरिटर्न्सटू द एनडीनफोल्डबटएस एन“एसोसिएट”मेंबर”, 02.06.2007,*मर्कोसुर.com*, http://en.mercopress.com/2007/06/02/ chile-returns-to-the-andean-fold-but-as-an-associate-member

53. “द एनडीन कम्युनिटीऑफनेशंस (सीएएन) :ओवरव्यूऑफद सिचुएशन”, 18.07.2008, *फ्रांस डिप्लोमैटी* , http://www.diplomatie. gouv.fr/en/country-iles/latin-america-and-the-caribbean/regional-integration/the-andean-community-of-nations/

54. एंडियन समुदाय की ओफिशियल वेबसाइट से , http://estadisticas.comunidadandina.org/eportal/contenidos/1996_8.pdf

55. “इकोनॉमिकस्टेटिस्टिक्स : मेजरएलएसीइकोनॉमीस”, *इंडियन कॉउन्सिल ऑफ वर्ल्ड अफेयर्स*, http://icwa.in/pdfs/lac.pdf

56. एंडियन समुदाय की ओफिशियल वेबसाइट से , http://estadisticas.comunidadandina.org/eportal/contenidos/1641_8.pdf

57. एंडियन समुदाय की ओफिशियल वेबसाइट से , http://www.comunidadandina.org/

58. “पेरूएंडइक्वेडोरसिग्नट्रीटीटू एन्डलोंगस्टैंडिंगकंलिक्ट”,27.10.1998,

*दन्यूयॉर्क टाइम्स*http://www.nytimes.com/1998/10/27/world/Peru-and-ecuador-sign-treaty-to-end-longstanding-conlict.html

59. वाल्सर, रे. “दक्राइसिसइनद एंडीज : इक्वेडोर, कोलंबिया, एंडवेनेज़ुएला”, 02.05.2008, *द हेरिटेज फाउंडेशन* , http://www.heritage.org/research/lecture/the-crisis-in-the-andes-ecuador- colombia-and-venezuela

60. मर्कोसुर की ओफिशियल वेबसाइट से , http://www.mercosur.int/t_generic.jsp?contentid=3862&site=1&channel=secretaria&secc ion=2

61. मर्कोसुर उन राज्यों को अनुमति नहीं देता है जिनके पास तीसरे पक्ष के साथ व्यापार समझौते हैं जो व्यापार गुट के पूर्ण सदस्य बन जाते हैं। लेकिन वेनेजुएला, क्यूबा और बोलीविया के साथ समझौतों होने के बावजूद, एक पूर्ण सदस्य बन सकता है के रूप में अंय मर्कोसुर राज्यों क्यूबा और बोलीविया के साथ अलादी के तहत पूरक आर्थिक समझौते है.

62. आर्य, नितिन. “मर्कोसुर: मूल , संगठनात्मक संरचना , नवीनतम विकास, और मर्कोसुर के समकालीन व्यापार पैटर्न पर एक अध्ययन”, अक्टूबर2012, अप्रकाशित

63. मेरा, लौरा गोमेज़ . “एक्सप्लेनिंगमेरकोसुरसर्वाइवल : स्ट्रेटेजिकसोर्सेजऑफअर्जेंटीनीब्राज़ीलियाईकन्वर्जेन्स”, 2005, http://miami.academia.edu/LauraGomezmera/Papers/285/Explaini

ng_
MERCOSURs_Survival_Strategic_Sources_of_Argentine-Brazilian_Convergence

64. सिका की ओटिशियल वेबसाइट से , http://www.sica.int/sica/sica_breve_en.aspx?IdEnt=401&Idm=2&IdmStyle=2

65. "CA-4 क्लोसिसबॉर्डर्सto होंडुरस"और"CA-4 इर्राफ्रोंटेरसएहोंडुरस", 29.06.2009, *कैनल* 15 http://www.canal15.com.ni/videos/1461

66. "होंडुरसरेंटेग्रेटेसविथCA-4 एंडनिकारागुआनोर्मलिज़ेसडिप्लोमेटिकरिलेशन्स"और "होंडुरा एसई रेंटेगरा अल सीए- 4 वाई निकारागुआ सामान्यीकृत रिलेसिओन डिप्लोमैटियास", 22.05.2011, http://nicaraguaymasespanol.blogspot.in/2011/05/honduras-se-reintegra- al-ca-4-y.html

67. एंटीगुआ और बारबुडा , बारबाडोस, डोमिनिका, ग्रेनाडा, जमैका, मोंटसेराट, तत्कालीन सेंट किट्स-नेविस-एंगुइला , सेंट लूसिया , सेंट विंसेंट और त्रिनिदाद एंड टोबैगो

68. डोमिनिका, ग्रेनाडा, सेंट किट्स-नेविस-एंगुइला , सेंट लूसिया , सेंट विंसेंट और ग्रेनेडाइंस, मोंटसेराट, जमैका और बेलीज

69. कैरिकॉम की ओडिशियल वेबसाइट से , http://www.caricom.org/jsp/community/community_index.jsp?menu=community

70. एंटीगुआ और बारबुडा, बहामा, बारबाडोस, बेलीज, डोमिनिका, ग्रेनाडा, गुयाना, हैती, जमैका, मोंटसेराट, सेंट लूसिया, सेंट किट्स एंड नेविस, सेंट विंसेंट और ग्रेनेडाइंस, सूरीनाम, और त्रिनिदाद और टोबैगो

71. एंगुइला, बरमूडा, ब्रिटिश वर्जिन आइलैंड्स, केमैन आइलैंड्स, और तुर्क और कैकोस आइलैंड्स

72. *ईसीएलएसीस्टैटिस्टिकलएअरबुकफॉरलैटिनअमेरिकाएंडदकॅरीबीयन, 2011* से

73. बेलीज, हैती, सेंट किट्स और नेविस , सेंट लूसिया, और सेंट विंसेंट और ग्रेनेडाइंस

74. व्हिटिंगटन, लियाम. “कमिंगटुगेदरटूस्ट्राइकआउटऑन देयरओन? चैलेंजेज, चेंज, एंडकोलोनियललिगेसीइनद कॅरीबीयन”, 06.11.2011,*कॉउन्सिलऑनहेमीस्फेरिकअफेयर्स*,http://www.coha.org/ coming-together-to-strike-out-on-their-own-challenges-change-and- colonial-legacy-in-the-caribbean/

75. एंटीगुआ और बारबुडा , बहामा, बारबाडोस, बेलीज, कोलंबिया, कोस्टा रिका, क्यूबा, डोमिनिका, डोमिनिकन गणराज्य , अल साल्वाडोर , ग्रेनाडा, ग्वाटेमाला, गुयाना, हैती, होंडुरास, जमैका, मेक्सिको, निकारा- गुआ, पनामा, सेंट किट्स एंड नेविस , सेंट लूसिया, सेंट विंसेंट और ग्रेना- भोजन, सूरीनाम, त्रिनिदाद और टोबैगो, और वेनेजुएला

76. अरुबा, कुराकाओ और फ्रांस

77. एएलबीए-टीसीपी की ओटिशियल वेबसाइट से , 14.12.2004, http://www. alba-tcp.org/en/contenido/agreement-between-

venezuela-and-cuba- alba-application.

78. वैगनर, सारा. “वेनेज़ुएलाएंडक्यूबासिग्ननन्यूकोऑपरेशनएग्रीमेंट्स”, 15.12.2004, *वेनेज़ुएलानलयसिस.कॉम*, http:// venezuelanalysis.com/news/840

79. एएलबीए-टीसीपी की ओटिशियल वेबसाइट से , 14.12.2004, http://www. alba-tcp.org/en/contenido/agreement-between-venezuela-and-cuba- alba-application

80. एएलबीए-टीसीपी की ओटिशियल वेबसाइट से , 29.04.2006, http://www. alba-tcp.org/en/contenido/alba-tcp-agreement-0

81. आईडीबी, ईसीएलएसीसे

82. एएलबीए-टीसीपी की ओटिशियल वेबसाइट से , http://www.alba-tcp.org/ public/images/Estadistica/Comerciointra.jpg

83. मैथर, स्टीवन. “वेनेज़ुएलापेसफॉरफर्स्टएएलबीए ट्रेडविथइक्वेडोरइनन्यूरीजनलकरेंसी”, 07.07.2010, *वेनेज़ुएलानलयसिस.कॉम*, http://venezuelanalysis.com/news/5480

84. “बोलीविया : मोनेदासुक्रेआवांजाएसुकंसॉलिडकॉन” और “बोलीविया : The करेंसीसुक्रेकंसॉलिडेट्सइटसेल्फ”, 31.05.2012,सुकेलेबा.ओआरजी, http://www.sucrealba.org/index.php/noticias/86-bolivia-moneda- sucre-avanza-a-su-consolidacion

85. एंटीगुआ और बारबुडा, बहामा, बेलीज, क्यूबा, डोमिनिका, डोमिनी-कैन रिपब्लिक, ग्रेनाडा, गुयाना, जमैका, सेंट लूसिया , सेंट किट्स एंड नेविस, सेंट विंसेंट और ग्रेनेडाइंस, सूरीनाम और वेनेजुएला

86. हैती, निकारागुआ, होंडुरा और ग्वाटेमाला बाद में शामिल हो गए

87. पीडीवीएसए की ओफिशियल वेबसाइट से , http://www.pdvsa.com/in-dex.php?tpl=interface.en/design/readmenuprinc.tpl.html&newsid_ temas=48

88. विश्वनाथन, आर. “द पसीकअलायन्स, येटअनॉथरब्लॉक्इनलैटिनअमेरिका”, 12.06.2012,*मर्कोप्रेस.कॉम*, http://en.mercopress.com/2012/06/12/the-pacific-alliance-yet-another-bloc-in-latin- america

89. “ग्लोबल इनसाइडर : मर्कोसुरएक्सपैंशन”, 20.01.2010, *वर्ल्ड पॉलिटिक्स रिव्यु* , http://www.worldpoliticsreview.com/trend-lines/7625/glob- al-insider-MERCOSUR-expansion

90. अर्जेंटीना, ब्राजील, बोलीविया, चिली, कोलंबिया, इक्वाडोर, गुयाना, पैरा-गुए, पेरू, सूरीनाम उरुग्वे, और वेनेजुएला

91. “बैंको डेल सुर एस्टा लिस्टो पैरा इनिसियार ऐक्टिविडाड्स ” और “साउथ बैंक रेडी टू स्टार्ट एक्टिविटी”, 04.04.2012, रेडियो यूनीवर्सिड डी चिली, http://radio.uchile.cl/noticias/146805/

92. “उनासुर:यूएन एस्पेसिओ डी डेसररोलो वाई कूपरासिओन पोर कॉन्स्ट्रूर” और “उनासुर: टू

बिल्डएस्पेसफॉरडेवलपमेंटएंडकोऑपरेशन",मई 2011, इकोनॉमिककमीशनफॉरलैटिनअमेरिकाएंडद कैरीबीयन, http://www.eclac.org/publicaciones/xml/0/44100/2011-368_ UNASUR.pdf

93. पेरू के दूतावास से, नई दिल्ली

94. "उनासुर क्रिएटसथ्रीटास्कग्रुप्स टूप्रोटेक्टद रीजनफ्रॉम 'इन-डस्ट्रीयलिज़्डनार्थक्राइसिस'", 15.08.2011,*मर्कोप्रेस.कॉम*, http:// en.mercopress.com/2011/08/15/UNASUR-creates-three-task- groups-to-protect-the-region-from-industrialized-north-crises

95. "एल बैंको डेल सुर कॉम्नजारिया एक फंसिओनार एल एन्यो प्रिक्सिमो" और "साउथ बैंक विल स्टार्ट वर्ककिंग नेकस्ट ईयर ", 01.11.2012, एल सोल , http://elso-lonline.com/noticias/view/153016/el-banco-del-sur-comenzaria-a- funcionar-el-ano-proximo

96. आईआईआरएसए की ओफिशियल वेबसाइट से , http://www.iirsa.org//CD_IIR- SA/Index.html

97. "नेहबर्स बैकबोलिवियनलीडर", 16.11.2008, बीबीसी न्यूज़, http:// news.bbc.co.uk/2/hi/americas/7617873.stm

98. डोमिंगुएज़, फ्रांसिस्को. "चावेज़-सैंटोससमिटइनकोलंबिया : यूएन -एएसयूआर-ब्रोकेरेडपीसब्रेक्सआउट", 12.08.2010, Venezuelanalysis. com,

http://venezuelanalysis.com/analysis/5566

99. पेडिगो, डेविड. “चिलीएंडइतरउनासुर कन्ट्रीजबैकइक्वेडोरइनअसांजेकेस”, 20.08.2012, *सैंटियागो टाइम्स*, http://www.santi- agotimes.cl/world/chile-abroad/25053-chile-and-other-UNASUR- countries-back-ecuador-in-assange-case

100. अर्जेंटीना, ब्राजील, कोलंबिया, मेक्सिको, पनामा, पेरू, उरुग्वे, और वेनेजुएला

101. कोलंबिया, मेक्सिको, पनामा, और वेनेजुएला

102. अर्जेंटीना, ब्राजील, पेरू, और उरुग्वे

103. सैंडओवल, एंटोनियो. “द कत्रडोराग्रुपएंडद सेंट्रलअमेरिकाक्राइसिस”, 1985, *ग्लोबल सिक्योरिटी*, http://www.globalsecurity.org/mili-tary/library/report/1985/SA.htm

104. चिली, इक्वाडोर, बोलीविया, पैराग्वे, बेलीज, क्यूबा, कोस्टा रिका, एल साल-वाडोर, ग्वाटेमाला, होंडुरास, निकारागुआ, डोमिनिकन गणराज्य, गाइ-एना, हैती, जमैका, और सूरीनाम

105. रियो समूह की ओफिशियल वेबसाइट से , http://portal2.sre.gob.mx/ gruporio/index.php?option=com_content&task=view&id=12& Item id=3

106. विदेश मंत्रालय , कोलंबिया,

http://www.cancilleria.gov.co/international/consensus/lacs

107. मुख्य, एलेक्स. “सीईएलएसी: स्पीकिंगफॉरलैटिनअमेरिकाएंडद कैरीबीयन”, 03.12.2011, Venezuelanalysis.com, http://venezuelanalysis. com/analysis/6674

108. एएलबीए-टीसीपी की ओटिशियल वेबसाइट से , http://www.alba-tcp.org/ contenido/comunicado-especial-celac-sobre-coca

109. “बोलिविया इवो मोरलेस अरजिस एंड टू बैन ऑन कोका च्विंग ”, 12.03.2012, बीबीसी न्यूज़, http://www.bbc.co.uk/news/world-latin- america-17338975

110. http://www.gatewayhouse.in/publication/gateway-house/features/ why-we-need-india-lac-dialogue

111. सिका के केवल चार सदस्यों के पास क्षेत्रीय पासपोर्ट है.

112. “मेक्सीको कोई एक्जिगिरका वीजा एक कोलंबिया , पेरूनोसवाईचिलीनोस” और “मेक्सिकोवॉन्ट आस्ककोलोम्बिएन्स , पेरुवीयन्सएंडचिलेअंसफॉरविजास”, 10.11.2012, एल यूनिवर्सल , http://www.eluniversal.com.co/cartagena/ politica/mexico-no-exigira-visas-colombia-peru-y-chile-97743

113. “रिटॉर्नाएल el प्राइमर एम्बाज़डोरडीअन पेसडीउनासुर लुएगो डेल जुइसिओ एक लुगो ” और “द फर्स्टएम्बेसडरऑफए कंट्रीरिटर्न्सआफ्टरद कूपअगेंस्टलोगो”, 07.11.2012, *एबीसी.कॉम.पीवाई*, http://www.abc.com.py/ edicion-impresa/politica/retorna-el-primer-embajador-de-un-pais-

de-unasur-luego-del-juicio-a-lugo-474693.html

लेखक के विषय में

समीरा यारलागादा, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली से लैटिन अमेरिकी अध्ययन में एम. फिल कर रहीं हैं। वह लैटिन अमेरिका और कैरेबियाई क्षेत्र में क्षेत्रीय एकीकरण पर साइमन बोलिवर की विरासत पर काम कर रही है। उन्होंने सितंबर,2012 और फरवरी,2013 के बीच, जिस अवधि के दौरान यह पत्र लिखा गया था, विश्व मामलों की भारतीय परिषद् के साथ काम किया। वह स्पेनी भाषा भी बोलती है।

a

विश्व मामलों की भारतीय परिषद्

सप्रू हाउस, बाराखंभा रोड़, नई दिल्ली-110001